सांध्य दैनिक

RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534

डाक पंजीयन क्र.-छ.ग./दुर्ग/1000000029/2026-28

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 17 अंक - 255 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, रविवार 28 जून 2026 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

108 देशों के छात्रों के बीच भारत का प्रतिनिधित्व करेगी छत्तीसगढ़ की बेटी

■ अंतरराष्ट्रीय शक्तिसैट मिशन में महिमा का चयन, सीएम ने दी बधाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर की छात्रा महिमा राजपूत का चयन अंतरराष्ट्रीय शक्तिसैट मिशन के लिए हुआ है। इस मिशन के तहत वह सैटेलाइट निर्माण से जुड़ी विशेष कार्यशाला में भाग लेंगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने अंतरराष्ट्रीय शक्तिसैट मिशन के लिए चयनित छात्रा को बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि प्रदेश की बेटियों और युवाओं के लिए प्रेणास्त्रोत बनेगी।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय सोशल मीडिया पर पोस्ट कर लिखा, 'अंतरिक्ष में चमका छत्तीसगढ़ का गौरव, रायपुर की बेटी ने बढ़ाया भारत का मान! अंतरराष्ट्रीय ShakthiSAT Mission के लिए चयनित होने पर रायपुर की होनहार बेटी महिमा राजपूत को हार्दिक बधाई एवं उज्ज्वल भविष्य के लिए अनंत शुभकामनाएं। महज 14 वर्ष की आयु में 108 देशों के विद्यार्थियों के बीच भारत का प्रतिनिधित्व करना पूरे छत्तीसगढ़ के लिए गर्व और प्रेरणा का क्षण है। आपकी यह उपलब्धि हमारी बेटियों और युवाओं को बड़े सपने देखने और उन्हें साकार करने का साहस देगी। महिमा बिटिया, आपकी उड़ान यूं ही नई ऊंचाइयां छूती रहे। पूरे प्रदेश को आप पर गर्व है।'

108 देशों से आए छात्र-छात्राएं होंगी शामिल

महिना राजपूत रायपुर के गुढ़ियारी स्थित तिलक नगक के स्वामी आत्मानंद स्कूल की छात्रा हैं। उनके साथ दुनिया के 108 देशों से आए छात्र-छात्राएं भी इस अंतरराष्ट्रीय वर्कशॉप में शामिल होंगे। शक्तिसैट मिशन के तहत आयोजित यह 8 दिवसीय कार्यशाला 23 अगस्त से दिल्ली में शुरू होगी। इस दौरान प्रतिभागियों को सैटेलाइट निर्माण और अंतरिक्ष प्रौद्योगिकी से जुड़ी विभिन्न से जुड़ी गतिविधियों का प्रशिक्षण दिया जाएगा। महिमा राजपूत ने अपनी प्रतिभा, लगन और वैज्ञानिक सोच के दम पर राष्ट्रीय स्तर पर एक अहम मुकाम हासिल किया है। यह वर्कशॉप छात्राओं को स्पेस साइंस और टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में प्रोत्साहित करने और उनके वैज्ञानिक कौशल को विकसित करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच प्रदान करेगी।

खास-खबर

मुख्यमंत्री साय ने की राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में सक्रिय भागीदारी की अपील

रायपुर। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान के

अवसर पर प्रदेशवासियों, विशेषकर माता-पिता एवं अभिभावकों से अपील की है कि वे अपने 0 से 5 वर्ष तक के प्रत्येक बच्चे को पोलियो की दो बूंद दवा अवश्य पिलाएं। मुख्यमंत्री साय ने अपने संदेश में कहा कि जब बात बच्चों के भविष्य की हो, तो हमारी छोटी-सी सावधानी भी बड़ा बदलाव ला सकती है। पोलियो की दो बूंद केवल एक दवा नहीं, बल्कि बच्चों के स्वस्थ, सुरक्षित और उज्वल भविष्य की सुरक्षा का संकल्प है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पोलियो जैसी गंभीर बीमारी से बच्चों को सुरक्षित रखने के लिए प्रत्येक अभिभावक की सहभागिता अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने सभी नागरिकों से आग्रह किया कि वे अपने आसपास भी यह सुनिश्चित करें कि कोई भी बच्चा पोलियो की दो बूंद से वंचित न रहे। मुख्यमंत्री साय ने कहा कि हम सभी के सामूहिक प्रयासों से ही पोलियो मुक्त भारत के संकल्प को और अधिक मजबूत बनाया जा सकता है। उन्होंने राष्ट्रीय पल्स पोलियो अभियान में सक्रिय सहभागिता निभाने और बच्चों के भविष्य के लिए अपनी जिम्मेदारी का निर्वहन करने का आह्वान किया।

3-4 दिन में पूरे छत्तीसगढ़ को कवर करेगा मानसून

रायपुर। छत्तीसगढ़ में अगले एक सप्ताह तक बारिश की गतिविधियां बढ़ने के आसार हैं। मौसम विभाग ने प्रदेश के कई हिस्सों में मध्यम से भारी बारिश और कई जगहों पर आकाशीय बिजली गिरने की चेतावनी जारी की है। विभाग के मुताबिक दक्षिण-पश्चिम मानसून के अगले 3 से 4 दिनों में प्रदेश के बाकी हिस्सों तक पहुंच सकता है। पिछले 24 घंटे के दौरान कई जिलों में हल्की से मध्यम बारिश हुई। रायपुर के अलग-अलग इलाकों में तेज बारिश हुई। फुंडहर चौक में झमाझम बादल बरसे, जबकि VIP चौक सूखा रहा, जबकि दोनों इलाके आसपास ही है। सबसे ज्यादा 50 स्र्स्र बारिश मुंगेली में रिकॉर्ड की गई। इसके अलावा दरभा में 40 स्र्स्र, गुंडरदेही, अर्जुंदा और कोंटा में 30-30 स्र्स्र बारिश हुई। रायगढ़, अकलतरा, प्रेमनगर, मनोरा, करपावंड, पथलगांव, अहिवारा, गुरूर, दुर्ग और दोरनापाल सहित कई क्षेत्रों में 20-20 स्र्स्र बारिश दर्ज की गई।

भारत समुद्र से आकाश तक सुरक्षित, देश में बनाए जा रहे 40 से ज्यादा सी-295 विमान

■ मन की बात का 135 वां एपीसोड, नॉर्थईस्ट के 3 राज्यों का किया जिक्र

नईदिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने रविवार को मन की बात के 135वें एपिसोड में कहा, 'भारत समुद्र से लेकर आसमान तक सुरक्षित है। इसी महीने डीआरडीओ ने स्वदेशी लॉन्ग रेंज लैंड अटैक क्रूज मिसाइल का सफल परीक्षण किया। पीएम मोदी ने कहा- जून के महीने में ही देश ने विमानन क्षेत्र में बड़ी सफलता हासिल की है। मेड इन इंडिया अभियान के तहत तैयार किए गए सी-295 विमान ने अपनी पहली सफल उड़ान पूरी कर ली है। वर्तमान में ऐसे 40 विमान भारत में ही बनाए जा रहे हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कार्यक्रम में कहा कि अंतरराष्ट्रीय योग दिवस ने एक बार फिर पूरी दुनिया को जोड़ने का काम किया है। उन्होंने बताया कि इस बार दुनिया के 2500 से अधिक स्थानों पर योग के विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए गए, जबकि भारत में करोड़ों लोगों ने योग कार्यक्रमों में हिस्सा लिया। पीएम मोदी ने अहमदाबाद में आयोजित विश्व योगासन चैंपियनशिप का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि भारत ने इस प्रतियोगिता में कुल 114 पदक जीते, जिनमें 102 स्वर्ण पदक शामिल हैं।

मेघालय के रूट ब्रिज की कहानी

पीएम मोदी ने मेघालय के रूट ब्रिज का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि ये ब्रिज कुछ दिनों या कुछ सालों में नहीं बनते। इन्हें तैयार होने में कई दशक लगते हैं। रबर के पेड़ों की जड़ों को धीरे-धीरे दिशा दी जाती है। इन जड़ों को जल-धाराओं के पार ले जाया जाता है। वही जड़ें एक मजबूत ब्रिज बन जाती हैं।

नगालैंड का फुटबॉल और फुटसल लीग

पीएम मोदी ने कहा कि नगालैंड का बेबी लीग 5 से 12 वर्ष के बच्चों की असाधारण लीग होती है। नगालैंड विमेन फुटसल लीग को आम भाषा में इंडोर फुटबॉल कहा जाता है। इसमें 5 खिलाड़ी होते हैं। यह सामान्य से छोटा मैदान होता है। तेजी से फैसले लेने होते हैं। इस तरह खेल से पर्सनॉलिटी भी डेवलप होती है।

असम की हरगिला आर्मी

पीएम मोदी ने कहा हरगिला पक्षी को बचाने हजारों ग्रामीण महिलाएं आगे आईं। आज उन्हें 'हरगिला आर्मी' के नाम से जाना जाता है। इन महिलाओं ने दिखाया है कि जब सही जानकारी पहुंचाई जाती है, तो वर्षों पुरानी सोच भी बदल सकती है।

मॉर्निंग वॉक पर निकले 3 लोगों को कुचला, सड़क पर बिखरी लाशें

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले में मॉर्निंग वॉक पर निकले 3 लोगों को अज्ञात वाहन ने कुचल दिया। हादसे में तीनों की मौके पर मौत हो गई। हादसे के बाद ड्राइवर वाहन लेकर भाग गया, जिसकी पुलिस तलाश कर रही है। घटना बलौदा थाना क्षेत्र के ग्राम डोंगरी-कोरबी से गुजरने वाली भारतमाला रोड पर हुई है।

जानकारी के मुताबिक सुबह करीब 4 से 5 बजे के बीच हादसा हुआ। मृतकों की पहचान डोंगरी-कोरबी के रहने वाले दिलहरण दास वैष्णव (62), केदार यादव (52) और संतु यादव (70) के रूप में हुई है। तीनों दोस्त थे। दिलहरण वैष्णव सेवा सहकारी समिति से ब्रांच मैनेजर के पद से रिटायर हुए थे। डोंगरी के रहने वाले केदार यादव खेती-किसानी का काम करते थे। कोरबी निवासी

संतु यादव भी किसानी का काम करते थे। सभी अपने घर से 2 किमी की दूरी पर घूमने निकले थे। तीनों के शव 5-10 मीटर की दूरी में सड़क पर पड़े हुए थे।

बताया जा रहा है कि तीनों रोज साथ ही सुबह घूमने निकलते थे। हादसे जानकारी मिलते ही मौके पर लोगों की भीड़ लग गई। उन्होंने फौरन पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों के शवों का पंचनामा किया, पोस्टमॉर्टम के लिए अस्पताल भिजवाया। फिलहाल, पुलिस घटनास्थल के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे खंगाले रही है, ताकि वाहन की पहचान हो सके।

राम मंदिर में चढ़ावा चोरीः सभी आठ आरोपियों के ठिकानों पर छापेमारी, अब तक 79 लाख बरामद

अयोध्या। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के सभी आठ आरोपियों के घर रविवार को सुबह पुलिस ने एक साथ दबिश दी। टीमें एक साथ सभी के घर पहुंची। घरवालों से पूछताछ शुरू की। साथ ही पड़ोसियों से बातचीत करके जानकारी जुटाई। पुलिस टीम अनुकल्प मिश्रा, अवनीश शुक्ला, मनीष यादव, टिन्नू यादव समेत अन्य आरोपियों के आवासों पर पहुंची। घरों की तलाशी लेने के साथ मौजूद परिजनों के बयान दर्ज किए।

जांच के दौरान स्थानीय लोगों को भी अपने बयान और साक्ष्य पुलिस के समक्ष प्रस्तुत करने का अवसर दिया जा रहा है। कार्रवाई के दौरान आरोपियों के घरों के प्रवेश द्वार पर पुलिस बल तैनात रहा, ताकि जांच में किसी प्रकार का

व्यवधान न हो और अनधिकृत लोगों का प्रवेश रोका जा सके। इस मामले में बृहस्पतिवार को एफआईआर दर्ज किया गया था। जबकि, शुक्रवार को सभी आठ आरोपियों को न्यायिक अभिरक्षा में जेल भेज दिया गया था। अब पुलिस साक्ष्य जुटाने और मामले की विवेचना को आगे बढ़ाने में जुटी है।

दुर्ग पुलिस की बड़ी कार्रवाई : बड़कू दाऊ के बाड़े पर छापा, 8 जुआरी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। जिले में में पुरानी भिलाई पुलिस और एसीसीयू की संयुक्त टीम ने गनियारी गांव में चल रहे एक जुआ अड्डे पर छापा मारकर 8 लोगों को गिरफ्तार किया। मौके से पुलिस ने 1.82 लाख रुपए नकद, 8 मोबाइल फोन और 3 मोटरसाइकिल समेत कुल 5.20 लाख रुपए की संपत्ति जब्त की है।

पुलिस के मुताबिक बीती रात भिलाई-3 के गनियारी गांव में

बड़कू दाऊ की बाड़ी में बने मकान के अंदर कुछ लोग रुपए-पैसों का दांव लगाकर जुआ खेलने की सचूना मिली थी। सूचना मिलते ही पुरानी भिलाई थाना पुलिस और एसीसीयू की टीम ने मौके की घेराबंदी कर दबिश दी।

छापेमारी के दौरान पुलिस ने 8 लोगों को जुआ खेलते हुए रंगे हाथों पकड़ लिया। तलाशी में आरोपियों के पास और जुआ फड़ से 1 लाख 82 हजार 670 रुपए नकद, 8 मोबाइल फोन और 3 मोटरसाइकिल बरामद हुई। जब्त सामान की कुल कीमत 5 लाख 20 हजार 170 रुपए बताई गई है। गिरफ्तार आरोपियों में तुंगत चंद्राकर (35), केवल चंद्राकर (29), शिवम वर्मा (25), प्रवीण देवांगन (24), ताकेश्वर साहू (41), चिराग चंद्राकर (25), प्रकाश चंद्राकर (41) और कुल्लू साहू (23) शामिल हैं। इनमें ज्यादातर आरोपी भिलाई-3 के सिरसा कला इलाके के रहने वाले हैं, जबकि दो आरोपी उतई के निवासी हैं।

पिछले 72 घंटों में 9 भारतीय जहाजों ने सुरक्षित पार किया हार्मुज स्ट्रेट, कतार में हैं 15 जहाज

नईदिल्ली। मिडिल ईस्ट में जारी भीषण सैन्य तनाव और हाल ही में अमेरिका-ईरान के बीच हुई गोलाबारी के बावजूद स्ट्रेट ऑफहोर्मुज से होकर भारत आने वाले मालवाहक जहाजों की आवाजाही जारी है। पिछले 72 घंटों के भीतर 9 मालवाहक जहाजों ने इस संवेदनशील जलमार्ग को सुरक्षित पार किया है, जिनमें से 7 जहाज भारत के लिए आवश्यक सामग्री लेकर आ रहे हैं। इसके साथ ही, शनिवार तक इस समुद्री मार्ग से सुरक्षित गुजरने वाले भारत आने वाले जहाजों की कुल संख्या बढ़कर 44 हो गई है। पिछले 72 घंटों में पार करने वाले 9 जहाजों में से 4 भारतीय झंडे वाले और 5 विदेशी झंडे वाले जहाज हैं।

इसके अलावा भारत आने वाले 15 अन्य जहाज अभी भी फारस की खाड़ी में मौजूद हैं, जो सुरक्षा की पुख्ता गारंटी और सुरक्षित मार्ग मिलने का इंतजार कर रहे हैं। इन 15 जहाजों

में से 10 भारतीय झंडे वाले बड़े जहाज हैं। इनमें से 4 जहाजों में उर्वरक लदे हुए हैं। एक जहाज में कच्चा तेल और गैस से भरा हुआ है। जहाजों की आवाजाही पर नजर रखने वाले Ship Trackers के अनुसार, 1 मार्च से अब तक होर्मुज पार करने वाले भारत से जुड़े जहाजों में बल्क कैरियर 15, एलपीजी कैरियर 13, क्रूड टैंकर 11 और दो एलएजी जहाज शामिल हैं।

एमओयू के बाद हार्मुज में बढ़ी जहाजों की रफ्तार

भले ही गुरुवार को हुए ड्रोन हमले और शुक्रवार को अमेरिका द्वारा ईरान के भीतर किए गए हवाई हमलों और ईरान की जवाबी कार्रवाई के कारण शनिवार को पूरे पश्चिम एशिया में युद्ध के बादल फिर से गहरे हो गए हैं, लेकिन सरकारी आंकड़े बताते हैं कि जून के महीने में डिप्लोमेसी का असर दिखा है। एक मार्च से 17 जून के दौरान सुरक्षा चिंताओं के कारण केवल 19 जहाजों का ट्रांजिट हो सका था। 17 जून से अब तक यानी कि पिछले 10 दिनों में ईरान और अमेरिका के बीच 17 जून को एक समझौता साइन होने के बाद भारतीय जहाजों की आवाजाही में भारी उछाल आया है। पिछले मात्र 10 दिनों में 25 जहाज इस रास्ते से सुरक्षित निकल चुके हैं।

संपादकीय

रोजगार, स्वरोजगार सुशासन का पैमाना

किसी भी अच्छी सरकार के लिए जो पैमाना होता है, उसमें कई बातों के अलावा इस बात पर खास जोर दिया जाता है कि उसने रोजगार व स्वरोजगार के लिए क्या किया। बेरोजगारी किसी राज्य व देश में आजादी के बाद से गंभीर समस्या रही है कि क्योंकि हमारे यहां जनसंख्या बहुत ज्यादा है और सरकारी व निजी क्षेत्र में रोजगार के अवसर उससे कम रहते है, इससे देश हो या कोई राज्य हो,वहां रोजगार की समस्या तो रहती ही है। इसलिए हर राज्य की सरकार को अच्छी सरकार की कसौटी पर कसने के लिए यह जरूर देखा जाता है कि सरकार ने रोजगार व स्वरोजगार के लिए क्या कुछ किया है। रोजगार व स्वरोजगार ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ते हैं तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी होता है। यही वजह है साय सरकार ने भी अन्य सरकारों की तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रोजगार व स्वरोजगार को बढ़ावा देने का फैसला किया है ताकि यहां के लोगों की आय बढ़े,उनका जीवनस्तर ऊंचा हो,राज्य विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग कर सके। इतिहास

> “ रोजगार व स्वरोजगार ग्रामीण क्षेत्र में बढ़ते हैं तो इससे ग्रामीण अर्थव्यवस्था मजबूत होती है और किसी भी राज्य की अर्थव्यवस्था के लिए ग्रामीण अर्थव्यवस्था का मजबूत होना जरूरी होता है। यही वजह है साय सरकार ने भी अन्य सरकारों की तरह ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए रोजगार व स्वरोजगार को बढ़ावा देने का फैसला किया है ताकि यहां के लोगों की आय बढ़े,उनका जीवनस्तर ऊंचा हो,राज्य विकसित भारत के लक्ष्य को हासिल करने में केंद्र सरकार का पूरा सहयोग कर सके। इतिहास ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए साय सरकार ने तीन फैसले किए हैं।

ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के लिए साय सरकार ने तीन फैसले किए हैं। कैबिनेट की बैठक में फैसला किया गया है कि ग्रामीण परिवार के वयस्क सदस्य को हर साल 125 दिन काम वीजी जीरामजी योजना के तहत निश्चित रूप से दिया जाएगा,इसके अलावा गांवों में अटल आजीविका समृध्दि हाट स्थापित किए जाएंगे।नई कंप्रेस्ड बायोगैस (सीबीजी) नीति-2026 को मंजूरी दी गई है।कोई भी योजना जब केंद्र व राज्य के सहयोग चलाई जाती है तो और दोनों जगह एक ही दल की सरकार को हो योजना के सफल होने के ज्यादा मौके रहते है क्योंकि इससे दोनों एक दूसरे का सहयोग करते हैं इससे दोनों को लाभ होता है और जनता को भी इसका फायदा होता है। विकसित भारत रोजगार और आजीविका के लिए गारंटी मिशन (ग्रामीण) यानी वीजी जीरामजी योजना में राज्य के पात्र ग्रामीण परिवारों को साल में 125 दिन अकुशल श्रम आधारित रोजगार मुहैया कराया जाएगा।

इसमें राज्य की हिस्सेदारी बढ़ाई गई है इससे फायदा यह होगा कि राज्य सरकार इस योजना के सफल क्रियान्वयन की और पहले से ज्यादा ध्यान देगी। पहले पूरा पैसा केंद्र को होने के कारण राज्य सरकारे इस योजना का लाभ लोगों तक पहुंचान ज्यादा ध्यान नहीं देती थी। अब राज्य का खुद का पैसा लगेगा तो राज्य इस पर गंभीरता से अमल हो इस ओर पूरा ध्यान देगा तो लोगों को ज्यादा लाभ मिलेगा। पहले पैसे के केंद्र से आने का इंतजार किया जाता था, अब पैसे का प्रावधान राज्य के बजट में होने से पैसे का इंतजार नहीं करना पड़ेगा।पैसे से संबंधित जो दिक्कतें पहले होती थी अब नहीं होंगी।राज्य सरकार ने बजट में इसके लिए 4हजार करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। यानी जीरामजी योजना के तहत चार हजार करोड़ के रुपए के काम कराए जाएंगे,इसमें जल सरंक्षण, प्राकृतिक संसाधन प्रबंधन,ग्रामीण आधारभूत ढांचे का निर्माण और आजीविका परिसंपत्तियों के जुड़े विकास कार्य कराए जाएंगे। इससे ग्रामीण क्षेत्र का तेजी से विकास होगा और ग्रामीण क्षेत्र के लोगों को इसका कई तरह से लाभ मिलेगा।

किसी भी क्षेत्र के विकास के लिए कई तरह के कारोबार की जरूरत होती है और कारोबार की सफलता के लिए एक बाजार का होना भी जरूरी होता है किसी क्षेत्र में कई तरह के कारोबार रहने से कारोबार नहीं बढ़ता है,कारोबार को बढ़ावा देने के लिए बाजार भी जरूरी होता है। बाजार होने से कारोबार बढ़ता है, खरीदार खरीदारी के लिए आते हैं। साय सरकार की अटल हाट से क्षेत्र का कारोबार बढ़ेगा।ग्रामीण क्षेत्र में उत्पादन,प्रसंस्करण,विपणन गतिविधियों को बढ़ावा देने के लिए सरकार ने अटल आजीविका समृद्दि योजना शुरू करेगी.इसके तहत ग्रामीण क्षेत्र में हथकरघा,बुनाई,सिलाई,हस्तशिल्प,जैसे सृजन केंद्र,दलहन-तिलहन प्रसंस्करण इकइयां,कोल्ड स्टोरेज व अटल डिजिटल केंद्र स्थापित किए जाएँगे। वहीं नई कंप्रेस्ट बायोगैस नीति-26 से कृषि अवशेष,नगरीय ठोस अपशिष्ट,पशुधन अपशिष्ट व अन्य जैविक संसाधनों का उपयोग कर स्वच्छ ईंधन का उत्पादन किया जाएगा।

संघ, हिंदुत्व व सनातन पर सुनियोजित हमले

मृत्युंजय दीक्षित

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष पुराना सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है। यदि केरल के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने संघ की किसी व्याख्यान माला, बौद्धिक चर्चा या सार्वजनिक कार्यक्रम में श्रोता के रूप में भाग ले लिया तो इसे अपराध या पद की गरिमा के विरुद्ध कैसे माना जा सकता है? इसके लिए उन्हें माफी मांगने को क्यों कहा जा रहा है?

बंगाल विधानसभा चुनाव परिणाम देखने के बाद संघ, हिंदू तथा सनातन विरोधी ताकतें पुनः पूरी आक्रामकता के साथ सक्रिय हो गयी हैं। जिन जिन राज्यों में विरोधी दलों की सरकारें हैं, उन-उन राज्यों संघ, हिंदुत्व व सनातन के विरुद्ध षड्यंत्र प्रारंभ हो गए हैं।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ पर बड़ा हमला कर्नाटक से आया जहां कांग्रेसी गृहमंत्री प्रियांक खरगे ने संघ के पंजीकरण व फंडिग पर प्रश्न उठाते हुए, इन प्रश्नों का उत्तर नहीं मिलने पर संध पर प्रतिबंध लगाने की धमकी दी। केरल के नए-नवेले मुख्यमंत्री वी. डी. सतीशन ने केरल के तीन कुलपतियों द्वारा संघ के कार्यक्रम में भाग लेने पर घोर आपत्ति जताते हुए उन्हे नोटिस थमा दी है और तीनों कुलपतियों से माफी मांगने को कहा जा रहा है।

इसी बीच सपा के राज्यसभा सांसद जावेद अली ने बयान दिया कि देश का बहुसंख्यक समाज काफी हद तक जहरीला हो गया है। जावेद अली ने कहा कि बीजेपी की वजह से हिंदुओं और मुस्लिमों के बीच दूरी बढ़ी है। धर्म के आधार पर लोगों का एक दूसरे पर भरोसा टूट गया है। उत्तर प्रदेश में बकरीद के अवसर पर दोस्ती के बहाने असद ने सूर्या को बुलाया और पूरे परिवार ने मिलकर उसकी नृशंस हत्या कर दी तब ये लोग चुप्पी बांधे सूर्या के हत्यारे असद के साथ खड़े हो गए। जब असद का एनकाउंटर हुआ था तब ये मुस्लिम तुष्टिकरण के लिए असद के लिए फातिहा पढ़ रहे थे।

राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ 100 वर्ष पुराना सामाजिक-सांस्कृतिक संगठन है। यदि केरल के तीन विश्वविद्यालयों के कुलपतियों ने संघ की किसी व्याख्यान माला, बौद्धिक चर्चा या सार्वजनिक कार्यक्रम में श्रोता के रूप में भाग ले लिया तो इसे अपराध या पद की गरिमा के विरुद्ध कैसे माना जा सकता है? इसके लिए उन्हें माफी मांगने को क्यों कहा जा रहा है? जब कुलपति वामपंथी विचारकों, गांधीवादी या अम्बेडकरवादी कार्यक्रमों में भाग लेते हैं या अन्य सामाजिक संगठनों के कार्यक्रम में भाग लेते हैं तो उसे बौद्धिक संवाद कहा जाता है किन्तु यदि वही कुलपति संघ प्रमुख का व्याख्यान सुन ले तो उससे माफी मांगने को कहा जाता है। यह दोहरा मापदंड है।

विश्वविद्यालय ज्ञान, संवाद और विचार-विमर्श के केंद्र होते हैं, वैचारिक बहिष्कार के नहीं। यदि किसी कुलपति ने मंच से कोई राजनीतिक घोषणा नहीं की, किसी दल का प्रचार नहीं किया, किसी प्रशासनिक निर्णय को प्रभावित नहीं किया, वरन मात्र एक सार्वजनिक कायक्रम में भाग लिया, तो उसे संघ कार्यकर्ता के स्तर तक गिर जाना कहना उच्च शिक्षा संस्थानों और कुलपति की गरिमा का अपमान है। लोकतंत्र में असहमति का अधिकार है, लेकिन विचारों से असहमति और व्यक्तियों के बहिष्कार में अंतर होता है। यदि संघ से वैचारिक मतभेद हैं, तो उसका उत्तर विचार से दिया जाना चाहिए, न कि लोगों को कार्यक्रम में जाने से रोककर प्रताड़ित करके। विडंबना यह है कि जो लोग अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता और वैचारिक बहुलता की बात करते हैं, वही आज यह तय करना चाहते हैं कि कुलपति किसका व्याख्यान सुन सकते हैं और किसका नहीं। क्या भारत में अब किसी शिक्षाविद् को कोई व्याख्यान सुनने के लिए राजनीतिक अनुमति लेनी होगी?

सर्वविदित है कि संघ सौ साल से काम कर रहा है। सब जानते हैं कि संघ क्या करता है। जो सोया है उसे जगाया जा सकता है जो सोने का नाटक करता है उसे नहीं जगाया जा सकता है। संघ की समाज में निश्चित छवि है। संघ अपनी छवि सुधारने के लिए नहीं अपितु समाज के हित में काम करता है। आरोपों का उत्तर देने में संघ समय नहीं व्यर्थ करता है। संघ के स्वयंसेवक समाज में काम करते हैं। संघ बढ़ रहा है तो हर जगह दिख रहा है। संघ की छवि बिगाड़ने वालों का प्रयास करने वालों की अपनी कोई विश्वसनीयता नहीं है। समाज के हर वर्ग के लोग संघ को प्रेम दे रहे हैं। संघ के काम को समाज आशीर्वाद देता है।

वर्तमान कांग्रेस जो आज संघ व भाजपा पर प्रतिबंध लगाने का सपना देख रही है उसको ध्यान रखना चाहिए कि यही काम नेहरू जी से लेकर इंदिरा जी और सोनिया जी तक करने का प्रयास करती रही हैं। प्रियांक जैसा दुस्साहस नेहरू जी ने किया था। वो अपने पत्रों में संघ को खतरा बताते थे और जिन्ना की मुस्लिम लीग को क्लीन चिट देते थे। कांग्रेस की मुस्लिम लीग के प्रति मोहब्बत की यह दुकान केरल में केरल में आज भी चल रही है। केरल के सीएम नाराज हैं कि तीन कुलपति संघ के कार्यक्रम में चले गए थे। इसी प्रकार एक बार नेहरू जी सर्वपल्ली राधाकृष्णन से नाराज हो गए थे क्योकि वह संघ की शाखा में चले गए थे। उस समय नेहरू जी के लिए संघ, पाकिस्तान से भी खतरनाक था।

नेहरू तो गांधी की हत्या के पहले से ही संघ के खिलाफ योजना बना रहे थे। गाँधी की हत्या हुई तो अवसर मिल गया और प्रतिबंध लगा दिया गया लेकिन उसके विरुद्ध साबित कुछ नहीं हुआ। कांग्रेसी आज तक संघ को समाप्त करने का सपना देख रहे हैं और संघ अपना शताब्दी वर्ष मना रहा है। इनके नेताओं के मन में संघ, भाजपा व हिंदुत्व के प्रति जो घृणा है उसका मूल कारण यही है कि आज संघ व हिंदुत्व सर्वव्यापी हो चुका है। अगर हिंदू समाज का अपमान होता है तो वह उसका करारा जवाब देना सीख गया है। संघ के शताब्दी वर्ष में भाजपा व उसके सहयोगी दलों की विजय यात्रा 22 राज्यों तक पहुंच चुकी है। केरल में भी संघ का विस्तार हो रहा है और यही कारण है कि वी डी सतीशन को संघ से डर लग रहा है।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

अपना बोया ही काट रही ममता बनर्जी

डॉ. आशीष वशिष्ठ

संयुक्त मोर्चा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया, नतीजतन नवंबर 1997 में सरकार गिर गई और 1998 में नए सिरे से लोकसभा चुनाव हुए। तब तक ममता कांग्रेस छोड़कर एक नई पार्टी बना चुकी थीं। चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के साथ सीट का समझौता किया और सात सीटें जीतीं।

पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनावों में सत्तासीन तृणमूल कांग्रेस को मिली ऐतिहासिक पराजय के बाद, जिस तरह पार्टी के विधायक और सांसद ममता बनर्जी से नाता तोड़ रहे हैं, उसने कई लोगों को हैरान किया है। लेकिन ममता बनर्जी पिछले 28-29 सालों से जिस तरह की सिद्धान्तहीन राजनीति करती रही हैं, उसे देखते हुए इन जन-प्रतिनिधियों के कारनामे कुछ भी असामान्य नहीं लगते। वे बस वही कर रहे हैं जो ममता दीदी ने उन्हें सिखाया है। असल में, अच्छा शिष्य वही है जो अपने गुरु के दिखाए रास्ते पर चले। ये सांसद और विधायक भी वही कर रहे हैं जो ममता बनर्जी करती रही हैं, यानी बिना किसी सिद्धांत या आदर्शवादी राजनीति। किसी को सीढ़ी की तरह इस्तेमाल करना और काम निकल जाने पर उसे छोड़ देना, बार-बार उससे मुंह मोड़ लेना और विपक्षी पार्टियों के विधायकों पर हमला करना।

तृणमूल कांग्रेस के बागी विधायकों और सांसदों पर मुख्य आरोप यह है कि तृणमूल कांग्रेस के टिकट पर चुनाव जीतने के बाद, वे अब विपक्षी भाजपा के साथ मिल रहे हैं, वही भाजपा, जिसे उन्होंने चुनाव के दौरान सांप्रदायिक पार्टी बताकर हराया था। लेकिन ममता बनर्जी ने भी 1998 में ऐसा ही किया था, जब उन्होंने 1 जनवरी 1998 को कांग्रेस से अलग होकर तृणमूल कांग्रेस का गठन किया था। उस समय ममता बनर्जी को कांग्रेस से यह शिकायत थी कि राज्य में लेफ्ट फ्रंट को हराने के लिए कांग्रेस भाजपा के साथ हाथ क्यों नहीं मिला रही है? उस समय ममता भाजपा को सांप्रदायिक नहीं मानती थीं। उन्होंने यह भी कहा था कि भाजपा कोई सांप्रदायिक पार्टी नहीं है। तो, अगर अब तृणमूल कांग्रेस के सांसद और विधायक कह रहे हैं कि भाजपा सांप्रदायिक पार्टी नहीं है, तो इसमें क्या गलत है? वे बस अपनी प्रिय नेता के पदचिन्हों पर चल रहे हैं।

बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने चार बार (2013, 2017, 2022 और 2024 में) अपना पक्ष बदला, लेकिन ममता बनर्जी अब तक पांच बार अपना पक्ष बदल चुकी हैं। इतिहास के पन्ने पलटे तो, बात 1997 की है, केंद्र में संयुक्त मोर्चा की सरकार थी। संयुक्त मोर्चा सरकार को बाहर से समर्थन दे रही कांग्रेस ने अपना समर्थन वापस ले लिया, नतीजतन नवंबर 1997 में सरकार गिर गई और 1998 में नए सिरे से लोकसभा चुनाव हुए। तब तक ममता कांग्रेस छोड़कर एक नई पार्टी बना चुकी थीं। चुनावों में ममता की तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के साथ सीट का समझौता किया और सात सीटें जीतीं। हालांकि, वह सरकार में शामिल नहीं हुईं क्योंकि उन्होंने राज्य में अपनी नई बनी पार्टी को मजबूत करने पर ध्यान दिया। 13 महीने बाद केंद्र सरकार गिर गई।

1999 के चुनावों के बाद एक नई सरकार बनी, जिसमें ममता बनर्जी रेल मंत्री बनीं। 2001 में, जब बंगाल विधानसभा चुनाव नजदीक थे, तो ममता को लगा कि कांग्रेस पार्टी के साथ गठबंधन करना फायदेमंद रहेगा। इसलिए, मार्च 2001 में उन्होंने रक्षा क्षेत्र में भ्रष्टाचार के मामले (तहलका स्टिंग ऑपरेशन) का हवाला देते हुए केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और कांग्रेस के साथ गठबंधन कर लिया। हालांकि, इससे भी बंगाल में लेफ्ट फ्रंट को हराया नहीं जा सका। लेफ्ट फ्रंट ने 199 सीटें जीतीं, जबकि तृणमूल कांग्रेस को 31 प्रतिशत वोट के साथ सिर्फ60 सीटें मिलीं।

अगले विधानसभा चुनाव में अभी पांच साल बाकी थे और केंद्र में भाजपा की सरकार थी। इसलिए, 2003 में ममता बनर्जी फिर से वाजपेयी सरकार में शामिल हो गईं। वह सितंबर 2003 में वाजपेयी सरकार में मंत्री बनीं, जबकि गुजरात दंगे डेढ़ साल पहले, यानी फरवरी 2002 में हो चुके थे। उन्होंने दंगों के लिए गुजरात में मोदी सरकार के इस्तीफे की मांग की थी, लेकिन जब अप्रैल 2002 में लोकसभा में वाजपेयी सरकार के खिलाफ निंदा प्रस्ताव लाया गया, तो ममता की पार्टी ने वाजपेयी का समर्थन किया। इस समर्थन के बदले, कुछ महीनों बाद उन्हें फिर से मंत्री बनाया गया।

ममता बनर्जी ने 2004 के लोकसभा और 2006 के विधानसभा चुनाव बीजेपी के साथ गठबंधन करके लड़े। हालांकि, जब उनकी पार्टी को दोनों चुनावों में करारी हार का सामना करना पड़ा। 2004 के लोकसभा चुनावों में तृणमूल को सिर्फ एक सीट मिली और 2006 के विधानसभा चुनावों में न सिर्फ पार्टी का वोट शेयर घटा (26 प्रतिशत हो गया) बल्कि उसकी सीटें भी आधी रह गईं, तो ममता को लगा कि भाजपा के साथ गठबंधन करने का कोई फायदा नहीं है। केंद्र में भाजपा के सत्ता से बाहर होने के बाद, ममता बनर्जी ने फिर से कांग्रेस पार्टी का रुख किया। उन्होंने 2009 के लोकसभा चुनाव मिलकर लड़े। तृणमूल कांग्रेस ने 19 सीटें जीतीं। इस जीत से उत्साहित होकर, उन्होंने कांग्रेस पार्टी के साथ मिलकर 2011 का विधानसभा चुनाव लड़ा और सरकार बनाई।

सरकार बनाने के ठीक एक साल बाद, ममता ने कांग्रेस से गठबंधन तोड़ दिया, क्योंकि उन्हें अब कांग्रेस की सीढ़ी की जरूरत नहीं थी, लेकिन वह यहीं नहीं रुकीं। वह उस सीढ़ी को ही आग लगाने पर आमादा थीं। इसलिए उन्होंने विपक्षी विधायकों को एक-एक करके तोड़ना शुरू किया और अगले पांच सालों में कांग्रेस पार्टी के 42 विधायकों को अपनी तरफ कर लिया। कांग्रेस ही पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस बन चुकी थी। उन्होंने लेफ्ट फ्रंट के चार विधायकों को भी पार्टी में शामिल किया, जबकि उन्हें उनकी जरूरत नहीं थी। इन विधायकों के बिना भी, पार्टी के पास 184 विधायकों का मजबूत बहुमत था।

असल में आज ममता दीदी को वही फसल काटनी पड़ रही है, जो खुद उन्होंने बोयी थी। तृणमूल कांग्रेस के पंद्रह साल के कार्यकाल में जो अत्याचार, अनाचार और भ्रष्टाचार हुआ है, उससे ममता दीदी की छवि को गहरा धक्का लगा। आज उनके साथ जो हो रहा है, वो उनके कर्मों का ही नतीजा है। इसलिए उनके साथ न उनके नेता खड़े हैं, और न ही जनता।

कानून का चकमा देने का अनैतिक खेल है दल बदल

योगेंद्र योगी

शिवसेना यूबीटी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह ने एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया। इन सभी सांसदों ने दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से पहले मुलाकात की और फिर शिवसेना में विलय की घोषणा की। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में यह दूसरी बार टूट हुई है। इससे पहले 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी दोफाड़ हो गई थी।

अरस्तू का मानना था कि राजनीति और नैतिकता एक-दूसरे से जुड़े हुए हैं। जब राजनीति व्यक्तिगत स्वार्थ या भ्रष्टाचार से ग्रसित हो जाती है, तो समाज का नैतिक पतन होता है, जो लोकतंत्र के मूल उद्देश्य—सामान्य कल्याण को कमजोर कर देता है। देश में विपक्षी दलों के सांसदों में मची भगदड़ से अरस्तू का यह कथन आज भी अत्यंत प्रासंगिक है। सांसदों का एक दल से दूसरे दल में जाना केवल एक राजनीतिक घटना नहीं है; यह उस गहरी प्रवृत्ति का संकेत है जिसे संस्थागत अवसरवाद कहा जा सकता है। आज दल-बदल अपवाद नहीं रहा, बल्कि एक सामान्यीकृत राजनीतिक व्यवहार बनता जा रहा है, जहाँ जनादेश, विचारधारा और नैतिकता—तीनों क्रमशः हाशिए पर खिसकते प्रतीत होते हैं।

शिवसेना यूबीटी के नौ लोकसभा सांसदों में से छह ने एकनाथ शिंदे गुट का दामन थाम लिया। इन सभी सांसदों ने दिल्ली में लोकसभा स्पीकर ओम बिरला से पहले मुलाकात की और फिर शिवसेना में विलय की घोषणा की। उद्धव ठाकरे की शिवसेना में यह दूसरी बार टूट हुई है। इससे पहले 2022 में एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में पार्टी दोफाड़ हो गई थी। फिर चुनाव आयोग ने एकनाथ शिंदे के गुट को भी मूल शिवसेना का दर्जा मिल गया। तब उद्धव ठाकरे ने अपने गुट का नाम शिवसेना यूबीटी रख लिया।

इससे पहले तृणमूल कांग्रेस के 22 सांसदों ने भी पार्टी तोड़कर एनसीपीआई का दामन थाम लिया था। एनसीपीआई एनडीए की एक बेहद छोटी पार्टी है। शिवसेना यूबीटी में टूट का सीधा फायदा केंद्र में सत्ताधारी एनडीए को मिलने वाला है। इससे एनडीए का संख्या बल और बढ़ जाएगा। माना जा रहा है कि केंद्र सरकार लोकसभा में दो तिहाई बहुमत के जुगाड़ में लगी है ताकि आने वाले दिनों में वह कुछ अहम संविधान संशोधन विधेयकों को पास करवा सके। शिवसेना उद्धव गुट के सांसदों के शिवसेना में शामिल होने के बाद लोकसभा में एनडीए का कुनबा 320 के करीब पहुंच गया है।

सांसदों और विधायकों की ऐसी ही टूटफूट से ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस हाशिए पर आ चुकी है। टीएमसी के 80 विधायकों में से 58 ने ममता से विद्रोह कर दिया था। ममता बनर्जी इस झटके से उबर भी नहीं पाई कि तृणमूल कांग्रेस के सांसदों ने बागी होने की घोषणा कर दी। टीएमसी के पास लोकसभा की 28 सीटें होने के कारण, बागी गुट को दो-तिहाई बहुमत हासिल करने के लिए कम से कम 19 सांसदों के समर्थन की आवश्यकता थी। एक ऐसी राजनीतिक पार्टी, जिसकी न लोकसभा और न ही विधनसाभा, कहीं पर भी एक सीट तक नहीं है, उस पार्टी में तृणमूल कांग्रेस के 20 बागी सांसदों ने विलय कर लिया है। इस कदम को दल-बदल विरोधी कानून से बचने के लिए अहम माना जा रहा है।

विगत महीनों में गैरभाजपा दलों में विधायकों—सांसदों के विद्रोह की शुरुआत अरविन्द केजरीवाल की आम आदमी पार्टी से हुई थी। आम आदमी पार्टी के सात राज्य सभा सांसदों ने भाजपा का दामन थाम लिया। इस फैसले के बाद उच्च सदन में आप की ताकत घटकर सिर्फ तीन सांसदों तक रह गई है। राज्यसभा में की ताकत बढ़कर 113 पहुंची वहीं, इस बदलाव से भाजपा को सीधा फायदा हुआ है और उसकी संख्या राज्यसभा में बढ़कर 113 पहुंच गई है। इसके साथ ही एनडीए का आंकड़ा 148 पहुंच गया। वहीं, जिन सात सांसदों का भाजपा में विलय हुआ है, उनमें राघव चड्ढा, अशोक मित्तल, हरभजन सिंह, संदीप पाठक, विक्रमजीत साहनी, स्वाति मालीवाल और राजिंदर गुप्ता शामिल हैं।

अब सवाल यह उठ रहा है कि क्या विधायकों का एक गुट खुद विलय की घोषणा कर सकता है, या जिस राजनीतिक दल का वे प्रतिनिधित्व करते हैं, उसे सहमत होना जरूरी है? सुप्रीम कोर्ट को इस मामले पर अभी फैसला लेना है। भारत का दल-बदल विरोधी कानून संविधान की दसवीं अनुसूची के माध्यम से पेश किया गया था। यह 1985 में 52वें संवैधानिक संशोधन के जरिए लागू हुआ। यह 'आया राम, गया राम' की राजनीति की घटना की प्रतिक्रिया थी, जिसमें सरकारें गिराने या खुद की उन्नति हासिल करने के लिए विधायक/सांसद मध्यावधि में दल बदल लेते हैं। बता दें कि दसवीं अनुसूची के तहत, कोई भी विधायक जो स्वेच्छा से पार्टी की सदस्यता छोड़ देता है या सदन में अपनी पार्टी के निर्देश के खिलाफवोट करता है, उसे अयोग्य घोषित कर दिया जाता है।

सुप्रीम कोर्ट ने कर्नाटक के विधायकों के मामले में अपना निर्णय समाज विज्ञान के सम्मानित प्रोफेसर आंद्रे बेताई के इन शब्दों से शुरू किया था। कोर्ट ने लिखा, 'हमारे संविधान निर्माताओं ने लोगों को सांविधानिक मूल्यों को बनाए रखने की जिम्मेदारी सौंपी है, लेकिन प्रश्न है कि हम अपने इस कर्तव्य को निभाने में कितने सफल हुए? लोकतंत्र और सांविधानिक जिम्मेदारियों को कितना निभा सके?' कोर्ट ने कहा, मतभेद और दलबदल ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। इन्हें अलग साबित करके ही लोकतांत्रिक मूल्यों को अन्य लोकतांत्रिक विचारों के साथ संतुलित रखा जा सकता है।

कोर्ट ने कहा था कि 'संसदीय लोकतंत्र में सांविधानिक नैतिकता बरकरार रखने की जिम्मेदारी सरकार और विपक्ष दोनों पर बराबर होती है। भारत में राजनीतिक दल सत्ता में रहने पर अलग और सत्ता से बाहर होने पर अलग ढंग से इस जिम्मेदारी को देखते हैं। यही वजह है कि भारत में जनमानस मानने लगा है कि हमारी राजनीतिक व्यवस्था अनैतिक हो चुकी है। कोर्ट ने कहा, मतभेद और दलबदल ये दोनों अलग-अलग बातें हैं। इन्हें अलग साबित करके ही लोकतांत्रिक मूल्यों को अन्य लोकतांत्रिक विचारों के साथ संतुलित रखा जा सकता है। कोर्ट ने यह भी कहा कि 'केवल संविधान की रक्षा और उसकी अक्षुण्णता की शपथ लेना काफी नहीं है। बल्कि सांविधानिक मूल्यों को रोजमर्रा के कामों में शामिल करने की अपेक्षा हमारे महान संविधान ने की है।

आज दल-बदल अपवाद नहीं रहा, बल्कि एक सामान्यीकृत राजनीतिक व्यवहार बनता जा रहा है, जहाँ जनादेश, विचारधारा और नैतिकता—तीनों क्रमशः हाशिए पर खिसकते प्रतीत होते हैं।

यह स्थिति हमें यह पुनर्विचार करने के लिए बाध्य करती है कि क्या राजनीति अब भी सिद्धांतों और मूल्यों से संचालित है?, या वह केवल सत्ता- समीकरणों का खेल बनकर रह गई है। इस संदर्भ में यह स्वीकार करना होगा कि कानून केवल आंशिक समाधान प्रदान कर सकता है; वास्तविक समाधान राजनीतिक संस्कृति और नैतिकता में निहित है।

पार्टी विद डिफरेंस का जुमला गढ़ने वाली भाजपा भी लोकतंत्र को कमजोर करने वाले दल बदल के खेल में शामिल हो गई। दल बदलने वाले पहले भाजपा को और भाजपा इनको देशद्रोही, भ्रष्टाचारी, मुसलमान समर्थक या मुसलमान विरोधी और न जाने किस किस ढंग से कोसते रहें हैं। दल बदलने के बाद अचानक से दल बदलने वाले और इन्हें लेने वाले पवित्र गाय बन गए। दल बदल कराए बगैर जनाधार बढ़ाना काफी तकलीदेह होता है। मतलब खुद के बलबूते पर पूर्ण सत्ता प्राप्त करने में बड़ा जोर आता है। इसके लिए जनता से वादे करने पड़ते हैं, उन्हें निभाने के लिए ईमानदारी और पारदर्शिता की जरूरत होती है। ऐसे में यदि दूसरे का पकाया हुआ खाने को मिल जाए तो कौन पीछे रहना चाहेगा। सिद्धान्तों और नैतिकता, ये सब अब किताबी बातें रह गई हैं।

(इस लेख में लेखक के अपने विचार हैं।)

ITR फाइल 500/-
Whatsapp पर बनवाऐं
Income Tax फाइल, GST रजिस्ट्रेशन, TDS रिफंड, प्रोजेक्ट रिपोर्ट
CMA DATA, MSME, BALANCE SHEET, फूड लाइसेंस
हमारे Tax Expert आपकी मदद हेतु तैयार है।
www.onlytds.com
सम्पर्क - शेखर गुप्ता 9300755544 - 8878655544

श्रीकंचनपथ
भिलाई-दुर्ग

प्रिंट और डीजिटल मीडिया में
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए
संपर्क करें
Mob.-: 9303289950
7987166110

प्रमुख खबरें

दुर्ग यूनिवर्सिटी में यूटीडी : फिजिक्स-केमिस्ट्री समेत 5 सब्जेक्ट में जुलाई से पढ़ाई

दुर्ग-भिलाई। हेमचंद यादव विश्वविद्यालय में यूनिवर्सिटी टीचिंग डिपार्टमेंट (यूटीडी) की शुरुआत की जा रही है। फिजिक्स, केमिस्ट्री, मैथेमेटिक्स, बॉटनी और जूलॉजी में स्नातकोत्तर (पीजी) स्तर की कक्षाएं जुलाई से शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है। कुलपति प्रो. तिवारी ने बताया कि इन सभी विषयों में स्नातकोत्तर स्तर की पढ़ाई जुलाई से शुरू होगी। इसके लिए नोटिफिकेशन जारी कर दिया गया है। एआईसीटीई से 8 नए प्रोफेशनल कोर्स की भी मंजूरी मिल चुकी है। इनमें एमबीए, एमसीए, फिनटेक जैसे कोर्स शामिल हैं।

दिव्यांश यादव का सीए इंटर में मिला ऑल इंडिया रैंक 33

भिलाई। होनहार छात्र दिव्यांश यादव ने चार्टर्ड अकाउंटेंट इंटरमीडिएट परीक्षा में ऑल इंडिया रैंक 33 हासिल कर शहर और छत्तीसगढ़ का नाम रोशन किया। उन्होंने दोनों ग्रुप एक साथ उत्तीर्ण किए। इससे पहले वह सीए फाउंडेशन में प्रदेश स्तर पर प्रथम स्थान भी प्राप्त कर चुके हैं। दिव्यांश ने बताया कि तैयारी के दौरान उन्होंने रोज 12 से 15 घंटे पढ़ाई की और ध्यान भटकाने वाली आदतों से दूर रहे। सोशल मीडिया से पूरी तरह दूरी बनाते हुए उन्होंने अपना अकाउंट भी हटाया। उनका कहना है कि स्पष्ट लक्ष्य, अनुशासन और निरंतर अभ्यास से परिणाम अपने आप बेहतर होने लगते हैं।

श्याम नगर, रिसाली के मंदिर में विराजे हनुमान जी

भिलाई। रिसाली के श्याम नगर में हनुमान जी महाराज की प्रतिमा का प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव श्रद्धा, भक्ति के साथ पूरा हुआ। इस अवसर पर दुर्ग ग्रामीण विधायक ललित चंद्राकर ने शामिल होकर वैदिक मंत्रोच्चार के साथ विधि-विधान से भगवान का अभिषेक, पूजन किया। संकटमोचन हनुमानजी का आशीर्वाद लेकर प्रदेशवासियों के सुख, समृद्धि, उत्तम स्वास्थ्य व मंगलमय जीवन की प्रार्थना की। महोत्सव में आचार्यों ने वैदिक रीति से पूजन, हवन और अभिषेक कराया। महोत्सव के आखिर में भक्तों को भंडारा में महाप्रसाद बांटा गया।

अक्षय पात्र में निताई-गौरांग का दही-चिउड़ा महोत्सव

भिलाई। अक्षय पात्र प्रांगण के हरे कृष्ण मंदिर में शनिवार शाम पानीहाटी दही-चिउड़ा महोत्सव श्रद्धा और उल्लास के साथ मनाया गया। भगवान राधा-कृष्ण का विशेष श्रृंगार किया गया, जबकि पूरे मंदिर को आम, अन्य फलों और रंग-बिरंगे पुष्पों से सजाया गया। संध्या आरती और हरिनाम संकीर्तन से शुरू हुए उत्सव में भक्तों ने भक्ति-रस में डूबकर कीर्तन किया। महोत्सव के दौरान भगवान श्री निताई-गौरांग का जल क्रीड़ा उत्सव आकर्षण का केंद्र रहा। भगवान को सुसज्जित नाव में विराजमान कर नौकायन कराया गया। इसके बाद श्रद्धालुओं को विभिन्न फलों से मिश्रित पारंपरिक दही-चिउड़ा प्रसाद वितरित किया गया। श्री निताई-गौरांग की भव्य पालकी यात्रा भी निकाली गई।

ज्ञानार्जन एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान हेतु बार एंड रॉड मिल को 'सर्वश्रेष्ठ विभाग' का पुरस्कार

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- बीएसपी की प्रमुख उत्पादन इकाई बार एवं रॉड मिल को वर्ष 2024-25 के दौरान ज्ञानार्जन एवं विकास के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए 'सर्वश्रेष्ठ विभाग' पुरस्कार से सम्मानित किया गया। यह सम्मान विभाग द्वारा कर्मचारियों के सतत ज्ञान-विकास, कौशल उन्नयन तथा संगठन में अधिगम-आधारित कार्यसंस्कृति को प्रोत्साहित करने हेतु किए गए उल्लेखनीय प्रयासों की मान्यता के रूप में प्रदान किया गया।

रांची स्थित मैनेजमेंट ट्रेनिंग इंस्टीट्यूट में आयोजित 'ज्ञान उत्सव' के दौरान बीएसएल के निदेशक प्रभारी प्रियरंजन ने बार एवं रॉड मिल को इस उपलब्धि के लिए सम्मानित किया। बार एवं रॉड मिल की ओर से

महाप्रबंधक शाश्वत मोहंती तथा सहायक महाप्रबंधक सुनील कुमार सोनी ने यह पुरस्कार ग्रहण किया।

उल्लेखनीय है वर्ष 2024-25 के दौरान विभाग द्वारा विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों, तकनीकी चर्चाओं, ज्ञान-साझाकरण गतिविधियों, सर्वोत्तम कार्य प्रणालियों के आदान-प्रदान तथा कर्मचारियों के कौशल संवर्धन से संबंधित अनेक पहलें की गईं। इन प्रयासों के माध्यम से विभाग ने कर्मचारियों की तकनीकी दक्षता एवं कार्यकुशलता में वृद्धि सुनिश्चित करने के साथ-साथ उत्पादन, गुणवत्ता, सुरक्षा तथा परिचालन उत्कृष्टता के क्षेत्रों में भी सकारात्मक परिणाम प्राप्त किए।

इस उपलब्धि पर मुख्य महाप्रबंधक (बीआरएम एवं यूआरएम) योगेश शास्त्री ने विभाग को बधाई एवं शुभकामनाएं दीं।

2 हजार पुलिस कर्मी कर रहे 25 लाख लोगों की हिफाजत

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई के 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में कलेक्टर और एसपी ने साझा की दुर्ग जिले की चुनौतियां

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। दुर्ग जिले में एक ओर भिलाई टाउनशिप तो दूसरी ओर पटरी पार का क्षेत्र है। वहीं दुर्ग शहर के साथ देहात का एक विस्तृत क्षेत्र है। जिले की 25 लाख से अधिक की आबादी के लिए दो हजार से कुछ ज्यादा का पुलिस बल काम कर रहा है। इतने कम बल के साथ पूरे जिले की कानून व्यवस्था को संभालना एक बड़ी चुनौती है।

उक्त बातें दुर्ग जिले के वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक विजय अग्रवाल ने न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर द्वारा आयोजित 'प्रेस से मिलिए' कार्यक्रम में कहीं। कार्यक्रम का आयोजन सुपेला के प्रेस क्लब भवन में किया गया था। एएसपी अग्रवाल ने अपने कार्यकाल के कुछ रोचक किस्से भी साझा किए।

जिला कलेक्टर अभिजीत सिंह ने मीडिया को लोकतंत्र का मजबूत स्तंभ बताते हुए शहर और जिले के विकास में पत्रकारों की सकारात्मक भूमिका की सराहना की। उन्होंने प्रशासन और मीडिया के बीच बेहतर समन्वय पर बल दिया। उन्होंने बताया कि 2012 में भारतीय प्रशासनिक सेवा में चयन के बाद केन्द्र सरकार के अधीन कार्य किया। दुर्ग जिला कलेक्टर के तौर पर

यहां काम करना काफी सुखद रहा। उन्होंने बताया कि दुर्ग जिले की भौगोलिक स्थिति व यहां की मांग के अनुसार प्रशासन का कार्य करना चुनौती पूर्ण रहा है।

आरंभ में अतिथि द्वय का स्वागत न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर के अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने एवं महासचिव दिलीप शर्मा ने किया। अध्यक्ष अनिल गुप्ता ने प्रेस क्लब की गतिविधियों से अवगत कराया। क्लब के महासचिव दिलीप शर्मा ने अतिथियों को प्रेस क्लब की सामाजिक, रचनात्मक गतिविधियों, पत्रकार कल्याण योजनाओं और भावी कार्ययोजनाओं की विस्तृत जानकारी दी।

न्यू प्रेस क्लब ऑफ भिलाई नगर की ओर से क्लब भवन के संधारण के लिए कलेक्टर अभिजीत सिंह के समक्ष मांग रखी गई। कार्यक्रम के दौरान अतिथि द्वाय ने पत्रकारों से संवाद बी किया और उनके द्वारा उठाए गए मुद्दों पर विस्तार से चर्चा करते हुए समाधान भी प्रस्तुत किया।

कार्यक्रम के अंत में प्रेस क्लब की ओर से दोनों वरिष्ठ अधिकारियों को स्मृति चिन्ह भेंट कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर प्रेस क्लब के वरिष्ठ उपाध्यक्ष सुनील चौहान, उपाध्यक्ष जय प्रकाश आर्य, रघुनंदन पंडा, सचिव गौकरण निषाद, जोगिंदर सिंह, कार्यालय सचिव मोहन राव, सह सचिव भोपाल देवांगन, कार्यक्रारिणी सदस्य सर्वेश सिंह, पी मोहन, सोनू यादव, योगेश वर्मा व सुरेन्द्र ठाकुर ने अतिथियों का अभिनंदन किया।

इनकी रही उपस्थिति

कार्यक्रम में टी सूर्या राव, अरविंद सिंह, राजेंद्र सोनबोईर, बीडी निजामी, राजेंद्र गोस्वामी, अशोक पंडा, सुधीर सिंह, संदीप उपाध्याय, आर एन रामाराव राव, रत्नाकर अल्वा,,रमेश गुप्ता, कोमल धनेसर ,राजेश अग्रवाल, डीके साहू, आनंद ओझा, हरप्रीत भाटिया, रमेश भगत, कमल शर्मा, मोहम्मद फारूक, प्रशांत सरकार, आरबी केशरवानी, शमशीर शिवानी, यदुनंदन मिश्रा, संतोष तिवारी, शशिकांत तिवारी, तापस सान्याल, संतोष मलिक, सतीश बौद्ध, शफीक कलीम, सुशील सोनी, दीपक दहाट, अमित नागरकर, संजय पांडेय, इस्माइल खान, रवि दहाट, नीरज उपाध्याय, जवाहर चौहान, सूरज सिंह, तनवीर अहमद, रमजान खान, शमसुद्दीन खान, जनार्दन मांझी सहित अन्य पत्रकार मुख्य रूप से शामिल रहे।

नराकास स्तरीय स्वरचित कविता प्रतियोगिता में बीएसपी की रश्मि नायक को प्रथम स्थान

भिलाई (केपीएन)। नगर राजभाषा कार्यान्वयन समिति (नराकास), भिलाई-दुर्ग के तत्वावधान में बैंक ऑफ बड़ौदा, क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा आयोजित नराकास स्तरीय स्वरचित कविता लेखन प्रतियोगिता में सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ऑटोमेशन एवं डिजिटाइजेशन विभाग की इंजीनियरिंग एसोसिएट रश्मि नायक ने प्रथम स्थान प्राप्त किया। हाल ही में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय कार्यालय, सेक्टर-10 में आयोजित पुरस्कार वितरण समारोह में सुश्री रश्मि नायक को प्रथम पुरस्कार प्रदान कर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर उन्होंने अपनी पुरस्कार विजेता कविता का पाठ भी किया।

पुरस्कार वितरण समारोह में बैंक ऑफ बड़ौदा के क्षेत्रीय प्रमुख संदीप कुमार मान तथा नराकास, भिलाई-दुर्ग के प्रतिनिधि के रूप में भिलाई इस्पात संयंत्र के जितेन्द्र कुमार मानिकपुरी विशेष रूप से उपस्थित रहे। इस अवसर पर उपस्थित अतिथियों ने सुश्री रश्मि नायक की उपलब्धि की सराहना करते हुए उन्हें भविष्य के लिए शुभकामनाएं दीं।

भिलाई इस्पात संयंत्र में नेहरू पुरस्कार वितरण का प्रथम चरण संपन्न

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र की ऐतिहासिक नेहरू अवार्ड योजना के अंतर्गत वर्ष 2025 के लिए नेहरू पुरस्कार वितरण समारोह का प्रथम चरण दिनांक 27 जून 2026 को आयोजित किया गया। दो दिवसीय इस पुरस्कार वितरण समारोह के प्रथम दिन संयंत्र के कुल 119 पुरस्कारों को तीन श्रेणियों—जवाहर पुरस्कार, नेहरू पुरस्कार तथा जवाहर लाल नेहरू समूह पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

समारोह का उद्देश्य संयंत्र के उत्कृष्ट एवं सराहनीय कार्य निष्पादन करने वाले अधिकारियों एवं कर्मचारियों को सम्मानित कर उनके योगदान का अभिनंदन करना तथा अन्य कर्मियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए प्रेरित करना है। समारोह के द्वितीय चरण में वर्क्स क्षेत्र के अन्य समूह पुरस्कार विजेताओं को आगामी सोमवार को सम्मानित किया जाएगा।

समारोह के मुख्य अतिथि ईडी प्रभारी (बीएसपी) एवं ईडी (सामग्री प्रबंधन) अजय कुमार चक्रवर्ती रहे। विशिष्ट अतिथि के तौर पर ईडी (वित्त एवं लेखा) प्रवीण निगम, ईडी (मानव संसाधन) पवन कुमार, ईडी (परियोजनाएं) प्रबीर कुमार सरकार, कार्यकारी ईडी (संकार्य) तुषार कांत, ईडी (माइंस) कमल भास्कर तथा मुख्य चिकित्सा अधिकारी प्रभारी डॉ. विनीता द्विवेदी उपस्थित रहीं। समारोह में संयंत्र के वरिष्ठ अधिकारीगण, ऑफिसर्स एसोसिएशन के पदाधिकारी, विभिन्न श्रमिक संगठनों के प्रतिनिधि, पुरस्कार विजेता तथा उनके परिजन भी उपस्थित रहे।

प्रथम दिवस जवाहर पुरस्कार श्रेणी में 33 अधिकारियों को उनके व्यक्तिगत योगदान के लिए सम्मानित किया गया। नेहरू पुरस्कार श्रेणी में 63 कर्मचारियों को व्यक्तिगत उत्कृष्ट कार्य के लिए पुरस्कार प्रदान किया गया, जबकि जवाहर लाल नेहरू समूह पुरस्कार श्रेणी में 23 समूहों को उनके सामूहिक योगदान के लिए सम्मानित किया गया।

अपने संबोधन में एके चक्रवर्ती, ने सभी पुरस्कार विजेताओं को बधाई देते हुए कहा कि ये पुरस्कार उनके समर्पण, प्रतिबद्धता तथा संगठन की प्रगति में दिए गए उत्कृष्ट योगदान का सम्मान हैं। उन्होंने कहा कि यद्यपि ये पुरस्कार व्यक्तिगत रूप से प्रदान किए जाते हैं, किंतु वे पूरी टीम के सामूहिक प्रयासों के भी प्रतीक हैं।

श्री चक्रवर्ती ने विश्वास व्यक्त किया कि यह सम्मान पुरस्कार विजेताओं को भविष्य में और भी उच्च प्रदर्शन के लिए प्रेरित करेगा तथा अन्य कर्मचारियों को भी उत्कृष्ट कार्य कर आने वाले वर्षों में ऐसा ही सम्मान प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करेगा। उन्होंने कर्मचारियों से निरंतर सीखने और आत्म-सुधार की संस्कृति को अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि सभी कर्मचारी समान प्रतिबद्धता के साथ मिलकर कार्य करते रहें, अपनी उत्कृष्ट कार्यशैली से सहकर्मियों को प्रेरित करें तथा सामूहिक प्रयासों से कंपनी को नई ऊँचाइयों तक पहुंचाएं।

बीएसपी के उपयोगिताएं विभाग में नियर-मिस पुरस्कार वितरण समारोह

संभावित बड़े हादसों को टाल सकती हैं नियर-मिस की रिपोर्टिंग

श्रीकंचनपथ समाचार

भिलाई। सेल- भिलाई इस्पात संयंत्र के उपयोगिताएं विभाग (डीआईसी-04) में माह मार्च-अप्रैल 2026 के लिए नियर-मिस पुरस्कार वितरण समारोह का आयोजन दिनांक 26 जून 2026 को वर्क्स बिल्डिंग -2 के मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) कार्यालय में किया गया। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मुख्य महाप्रबंधक (उपयोगिताएं) जेपी सिंह तथा विशिष्ट अतिथि के तौर पर महाप्रबंधक (सुरक्षा) एसआर शेंडे उपस्थित रहे।

महाप्रबंधक (एसीडब्ल्यूई) एसके बेहरा, महाप्रबंधक (सीएएस एंड सीडब्ल्यूपी) एस. भट्टाचार्जी, उपयोगिताएं विभाग के विभागाध्यक्ष, वरिष्ठ अधिकारीगण, विभागीय सुरक्षा अधिकारी तथा पुरस्कार प्राप्तकर्ता उपस्थित रहे।

अपने संबोधन में अतिथियों ने कार्यस्थल पर सुरक्षा को सर्वोच्च

प्राथमिकता देने पर बल देते हुए कहा कि नियर-मिस रिपोर्टिंग संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम का एक प्रभावी माध्यम है।

उन्होंने सभी कर्मचारियों एवं ठेका श्रमिकों से अधिक से अधिक नियर-मिस घटनाओं की रिपोर्टिंग करने का आह्वान किया, ताकि संभावित जोखिमों की समय रहते पहचान कर आवश्यक सुधारात्मक उपाय सुनिश्चित किए जा सकें। उन्होंने संयंत्र में 'शून्य दुर्घटना' के लक्ष्य की प्राप्ति के लिए प्रत्येक कर्मचारी की सक्रिय सहभागिता को आवश्यक बताया।

इस अवसर पर उत्कृष्ट सुरक्षा जागरूकता एवं नियर-मिस रिपोर्टिंग में उल्लेखनीय योगदान देने वाले कर्मियों को सम्मानित किया गया। कार्यक्रम के माध्यम से सभी प्रतिभागियों को सुरक्षा नियमों का पूर्णतः पालन करने तथा कार्यस्थल पर सतर्क एवं जिम्मेदार व्यवहार अपनाने के लिए प्रेरित किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य संयंत्र में कार्यरत नियमित एवं ठेका श्रमिकों के मध्य सुरक्षा जागरूकता को प्रोत्साहित करना, उत्कृष्ट सुरक्षा व्यवहार प्रदर्शित करने वाले कर्मियों को सम्मानित करना तथा अधिकाधिक नियर-मिस रिपोर्टिंग के माध्यम से संभावित दुर्घटनाओं की रोकथाम के प्रति जागरूकता बढ़ाना था। कार्यक्रम का संचालन विभागीय सुरक्षा अधिकारी एवं सहायक महाप्रबंधक (एसीडब्ल्यूई) एसपी निगम द्वारा किया गया।

रक्तदान, स्वास्थ्य शिविर और तकरीर 29 को

भिलाई। गैर सरकारी संगठन अल मदद एजुकेशन एंड वेलफेयर सोसाइटी की ओर से करबला के शहीदों की याद में रक्तदान और स्वास्थ्य शिविर का आयोजन 29 जून सोमवार को सेक्टर-6 जामा मस्जिद के कम्युनिटी हॉल में किया जा रहा है। सोसाइटी की प्रमुख अंजुम अली ने बताया कि सुबह 11 बजे से 5 बजे तक रक्तदान, दंत परीक्षण, नेत्र परीक्षण और सामान्य स्वास्थ्य परीक्षण का आयोजन शिविर में होगा। इसके साथ ही यहां आयुष्मान कार्ड पंजीयन की सुविधा भी दी जा रही है। यहां शाम 5:00 बजे से आलिमा गुल निशा की तकरीर (बयान) का आयोजन किया गया है, जिसमें करबला के शहीदों के वाकयात बयान किए जाएंगे। मगरिब की नमाज के बाद फतिहा ख्वानी होगी। अंजुम अली ने ज्यादा से ज्यादा लोगों से पहुंच कर निःशुल्क स्वास्थ्य शिविर का लाभ उठाने और अन्य आयोजनों में भागीदारी की अपील की है।

Since 1972
CROWN-TV®
Choice Of Millions
LED / Washing Machine
Cooler / Fridge
Available All Size

CONTACT :
Atlas Radio Traders (Crown)
Sect.-3, D-48, Ward No. 13
Devendra Nagar, Raipur (C.G.) 492009
Near Akash Gas Agency Line
Mob.: 98262 52372

खास-खबर

रायपुर में ट्रैफिक जवानों के लिए एसी हेलमेट का ट्रायल शुरू

रायपुर। भीषण गर्मी में घंटों सड़क पर ड्यूटी देने वाले ट्रैफिक जवानों को राहत देने के लिए रायपुर पुलिस ने एसी हेलमेट का ट्रायल शुरू किया है। शनिवार को इसका परीक्षण किया गया। यदि यह सफल रहा तो भविष्य में अधिक संख्या में ट्रैफिक जवानों को ऐसे हेलमेट उपलब्ध कराए जाएंगे। एडीसीपी ट्रैफिक विवेक शुक्ला ने बताया कि एक कंपनी ने ट्रायल के लिए एसी हेलमेट उपलब्ध कराए हैं। हेलमेट में बैटरी संचालित फैन और एयर-डक्ट सिस्टम लगाया गया है, जो बाहर की हवा को फिल्टर कर सिर और चेहरे तक पहुंचाता है। कुछ मॉडलों में कूलिंग मॉड्यूल भी है, जो हवा का तापमान कम करने में मदद करता है। एक बार चार्ज होने पर यह 6 से 8 घंटे तक काम करता है। पुलिस के अनुसार, एसी हेलमेट सिर के आसपास का तापमान 8 से 15 डिग्री सेल्सियस तक कम महसूस करा सकता है, जिससे हीट स्ट्रेस, डिहाइड्रेशन और लू का खतरा घटेगा। विभाग का मानना है कि इससे जवानों की कार्यक्षमता और मनोबल में भी बढ़ोतरी होगी।

संत कबीर जन्मोत्सव पर दामाखेड़ा सहित प्रदेश भर में होंगे विविध आयोजन

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी जेठ पूर्णिमा के अवसर पर संत कबीर का जन्मोत्सव दामाखेड़ा, धमधा, कबीर धाम, सहित पूरे प्रदेश में धूमधाम से मनाया जाएगा। ज्ञातव्य है कि संत कबीर द्वारा भक्तिकाल में लिखे गये साहित्य को पूरे विश्व भर में सम्मान के साथ न केवल पढ़ा जाता है बल्कि उनके द्वारा दोहों के माध्यम से दी गई शिक्षा को भी ग्रहण किया जाता है। शहर के साहित्यिक संस्थान पहल द्वारा कबीर जन्मोत्सव पर संत कबीर की वर्तमान समय में प्रासंगिकता विषय पर रोहिणी पुरम में अशोक साहू के यहां विशेष आयोजन किया गया है। गौरतलब है कि उत्तरप्रदेश के बनारस जिले के नीमूखेड़ा गांव में संत कबीर का जन्म जुलाहा परिवार में हुआ था। संत कबीर ने अपने समय में समाज में फैली हुई कुरीतियों को दोहों के माध्यम से शाब्दिक प्रहार के जरिए व्यक्त किया था। उन्होंने समाज में फैले पाखंड एवं दिखावे पर जमकर निशाना साधा था।

डॉक्टर्स डे पर एक जुलाई को चिकित्सा संस्थानों में होंगे विविध आयोजन

रायपुर। प्रति वर्ष की भांति इस वर्ष भी बंगाल के प्रसिद्ध चिकित्सक डॉ. विधानचंद्र राय के जन्मदिन के अवसर पर डॉक्टर्स डे का आयोजन प्रदेश सहित देश भर में एक जुलाई को किया गया है। एक जुलाई को शहर के शासकीय अशासकीय चिकित्सा संस्थानों में चिकित्सकों द्वारा अपने चिकित्सालय के स्टाफ के साथ एवं वहां कार्यरत चिकित्सकों के साथ डॉक्टर्स डे का महोत्सव आयोजित किया गया है। इधर रायपुर आईएमए एसोसिशन द्वारा इस बार भी राजधानी के विभिन्न चिकित्सकों को उनकी सेवा के आधार पर पुरस्कृत किया जाएगा। गौरतलब है कि चिकित्सकों द्वारा स्व. विधानचंद्र राय की स्मृति में चिकित्सक दिवस का आयोजन किया जाता है। निस्वार्थ सेवा किये जाने की शपथ ली जाती है।

गांवों के विकास में सहभागी बनने का किया आह्वान, सिंचाई व्यवस्था के दिए निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा नारायणपुर प्रवास के दौरान पुनर्वास केंद्र पहुंचकर हिंसा का रास्ता छोड़ मुख्यधारा से जुड़े युवाओं से आत्मीय संवाद किया। इस दौरान वन एवं पर्यावरण मंत्री श्री केदार कश्यप भी मौजूद रहे। दोनों मंत्रियों ने युवाओं से पुनर्वास केंद्र में मिल रही सुविधाओं, प्रशिक्षण और रोजगार की संभावनाओं पर चर्चा की और उन्हें विकास की मुख्यधारा में सक्रिय भागीदारी के लिए प्रेरित किया।

उप मुख्यमंत्री श्री शर्मा ने युवाओं से आधार कार्ड, राशन कार्ड, आयुष्मान कार्ड, बैंक खाते सहित अन्य जरूरी दस्तावेजों और शासकीय सुविधाओं की उपलब्धता के बारे में पूछा। उन्होंने कहा कि शासन का उद्देश्य हर पुनर्वासित युवक-युवती को सम्मानजनक जीवन और आत्मनिर्भर बनने के लिए सभी सुविधाएं देना है। गृह मंत्री शर्मा ने युवाओं से कहा कि वे जेल में बंद अपने पूर्व साथियों से मिलकर उन्हें भी पुनर्वास योजना का लाभ लेने और समाज की मुख्यधारा से जुड़ने के लिए प्रेरित करें। उन्होंने कहा कि विकास और शांति का रास्ता ही बस्तर के उज्ज्वल भविष्य का आधार है।

उप मुख्यमंत्री ने केंद्र में चल रहे कौशल विकास प्रशिक्षण की जानकारी ली। महिलाओं द्वारा मोटर वाहन ड्राइविंग का प्रशिक्षण लेकर आत्मनिर्भर बनने की दिशा में दिखाई जा रही भागीदारी की सराहना की।

चर्चा के दौरान युवाओं ने खेतों में सिंचाई के लिए बोर की जरूरत बताई। इस पर शर्मा ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि शहीदों के परिवारों और पुनर्वासित युवाओं का सर्वे कराकर उनके खेतों में सिंचाई की समुचित व्यवस्था की जाए, ताकि वे खेती से स्थायी आजीविका कमा सकें।

उप मुख्यमंत्री ने कहा कि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में पेसा अधिनियम को और प्रभावी बनाने का काम लगातार हो रहा है। बस्तर के जनप्रतिनिधि आदिवासी समाज से हैं और क्षेत्र के विकास के लिए निरंतर प्रयासरत हैं। उन्होंने युवाओं से सोशल मीडिया पर फैलने वाली भ्रामक सूचनाओं से सावधान रहने को कहा। साथ ही शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाने में सहभागी बनने का आह्वान किया।

वन एवं पर्यावरण मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि स्वतंत्रता संग्राम से लेकर बस्तर के निर्माण तक आदिवासी समाज का योगदान महत्वपूर्ण रहा है। अब समय बस्तर को शांति, विकास और समृद्धि की नई दिशा देने का है। हिंसा छोड़कर मुख्यधारा से जुड़ने वाले युवाओं ने इस बदलाव की शुरुआत कर दी है। अब सभी को मिलकर क्षेत्र और समाज के समग्र विकास के लिए काम करना चाहिए।

महतारी वंदन, नोनी सुरक्षा और कुपोषण मुक्त अभियान को मिलेगी नई रफ्तार : लक्ष्मी राजवाड़े

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने बीजापुर में विभागीय योजनाओं की विस्तृत समीक्षा करते हुए महतारी वंदन योजना, नोनी सुरक्षा योजना तथा कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को नई गति देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि प्रदेश के नक्सल मुक्त होते क्षेत्रों में विकास, पोषण और महिला सशक्तिकरण की योजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाया जाए।

समीक्षा बैठक में मंत्री ने स्पष्ट किया कि महिला एवं बाल विकास विभाग की योजनाओं का उद्देश्य केवल हितग्राहियों को लाभ पहुंचाना नहीं, बल्कि महिलाओं, बच्चों एवं किशोरियों के जीवन स्तर में व्यापक और स्थायी सुधार लाना है। उन्होंने कहा कि शासन की प्रत्येक योजना का शत-प्रतिशत क्रियान्वयन सुनिश्चित करना विभाग की सर्वोच्च जिम्मेदारी है।

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ अभियान को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने प्रत्येक घर और प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र में मुनगा (सहजन) का पौधा लगाने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मुनगा पोषण का उत्कृष्ट स्रोत है और इसके नियमित उपयोग से बच्चों, किशोरियों एवं महिलाओं के स्वास्थ्य में सकारात्मक बदलाव आएगा। इसके साथ ही सभी आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों को प्रतिदिन एक केला उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए, ताकि पोषण स्तर में सुधार और बच्चों के समुचित शारीरिक विकास को बढ़ावा मिल सके।

मंत्री ने बाल विवाह मुक्त बीजापुर के लक्ष्य को लेकर व्यापक जन-जागरूकता अभियान संचालित करने पर बल दिया। उन्होंने कहा कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति को समाप्त करने के लिए आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, सुपरवाइजरों, पंचायत प्रतिनिधियों और स्थानीय समुदाय की सक्रिय भागीदारी आवश्यक है। उन्होंने मैदानी अमले को नियमित निरीक्षण कर व्यवस्थाओं की निगरानी तथा कमियों के त्वरित निराकरण के निर्देश दिए।

बैठक में महतारी वंदन योजना की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने बताया कि योजना का पोर्टल शीघ्र पुनः प्रारंभ होने वाला है। इसके मद्देनजर अधिकारियों को अभी से सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण करने तथा पात्र महिलाओं के समयबद्ध पंजीयन की व्यवस्था सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र महिला योजना के लाभ से वंचित नहीं रहनी चाहिए।

समीक्षा के दौरान नोनी सुरक्षा योजना, प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना, सक्षम योजना और अन्य विभागीय योजनाओं के प्रभावी संचालन पर भी विशेष चर्चा हुई। मंत्री ने सक्षम योजना के माध्यम से पात्र महिलाओं को स्वरोजगार और आर्थिक आत्मनिर्भरता के लिए ऋ ण सुविधा उपलब्ध कराने तथा अधिकाधिक हितग्राहियों को योजनाओं से जोड़ने के निर्देश दिए। मंत्री राजवाड़े ने चाइल्ड हेल्पलाइन के व्यापक प्रचार-प्रसार की आवश्यकता पर बल देते हुए कहा कि बच्चों से जुड़े किसी भी संकट की स्थिति में समाज के प्रत्येक वर्ग को हेल्पलाइन सेवाओं की जानकारी होना आवश्यक है। इसके लिए ग्राम स्तर तक जन-जागरूकता अभियान चलाने के निर्देश दिए गए। बैठक में विभाग में रिक्त पदों की स्थिति की समीक्षा करते हुए मंत्री ने आवश्यक प्रक्रियाएं शीघ्र पूर्ण कर नियुक्तियां सुनिश्चित करने को कहा, ताकि योजनाओं के क्रियान्वयन में और अधिक गति लाई जा सके। साथ ही बाल कल्याण समिति के लंबित प्रकरणों के त्वरित एवं संवेदनशील निराकरण के निर्देश भी दिए गए। बैठक के अंत में मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अधिकारियों और मैदानी अमले से समर्पण, जवाबदेही और जनसेवा की भावना के साथ कार्य करने का आह्वान करते हुए कहा कि योजनाओं का लाभ समयबद्ध, पारदर्शी और प्रभावी ढंग से पात्र हितग्राहियों तक पहुंचना ही विभाग की वास्तविक सफलता का मानक है।

आषाढ़ के प्रथम दिवस पर 29 एवं 30 जून को होगा भव्य रामगढ़ महोत्सव

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक रामगढ़ में आषाढ़ के प्रथम दिवस के अवसर पर 29 एवं 30 जून को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित महोत्सव में प्रदेश की लोकसंस्कृति, साहित्य, इतिहास, पुरातत्व और पर्यटन की समृद्ध विरासत एक साथ देखने को मिलेगी। महोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, कलाकार, शोधकर्ता, पर्यटक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहेंगे।

29 जून को प्रातः 10:30 बजे अतिथियों के आगमन एवं दीप प्रज्ज्वलन के साथ महोत्सव का शुभारंभ होगा। स्वागत समारोह, अतिथियों के उद्बोधन तथा रंगारंग सांस्कृतिक प्रस्तुतियों के साथ कार्यक्रम आगे बढ़ेगा। छत्तीसगढ़ की समृद्ध लोक परंपराओं पर आधारित लोकनृत्य, लोकगीत एवं लोकवाद्य प्रस्तुतियां पूरे दिन आकर्षण का केंद्र रहेंगी। सायंकाल सुप्रसिद्ध लोक एवं सांस्कृतिक कलाकारों की विशेष प्रस्तुतियां महोत्सव को और अधिक भव्य बनाएंगी। महोत्सव के दौरान आगंतुक विश्व की प्राचीनतम नाट्यशाला के रूप में विख्यात सीताबेंगरा गुफा, ऐतिहासिक जोगीमारा गुफा, रामगढ़ पर्वत श्रृंखला तथा अन्य महत्वपूर्ण पुरातात्विक स्थलों का भ्रमण करेंगे। विशेषज्ञ इन धरोहरों के ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं पुरातात्विक महत्व की विस्तृत जानकारी देंगे।

30 जून को साहित्य, इतिहास एवं संस्कृति पर केंद्रित परिचर्चाएं, जनजातीय संस्कृति की प्रस्तुतियां, लोककलाओं का प्रदर्शन, स्थानीय हस्तशिल्प एवं पारंपरिक उत्पादों की प्रदर्शनी तथा विद्यालयों एवं सांस्कृतिक संस्थाओं के कलाकारों की सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित होंगी। समापन समारोह में उत्कृष्ट प्रतिभागियों एवं सहयोगियों का सम्मान भी किया जाएगा।

प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना

सौर ऊर्जा अपनाएं, बिजली बिल घटाएं और पर्यावरण संरक्षण में निभाएं अपनी भागीदारी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के माध्यम से आम नागरिकों को स्वच्छ एवं किफायती ऊर्जा उपलब्ध कराने के उद्देश्य से घरों की छतों पर रूफ्टॉप सोलर प्लांट स्थापित करने के लिए प्रोत्साहित किया जा रहा है। छत्तीसगढ़ राज्य विद्युत वितरण कंपनी ने सभी घरेलू उपभोक्ताओं से इस योजना का लाभ उठाकर अपने आवासीय परिसरों में सोलर प्लांट लगाने की अपील की है।

योजना के अंतर्गत रूफ्टॉप सोलर प्लांट की स्थापना पर केन्द्र एवं राज्य शासन द्वारा आकर्षक अनुदान उपलब्ध कराया जा रहा है। 1 किलोवाट क्षमता के प्लांट पर कुल 45 हजार रुपये का अनुदान दिया जाता है, जिसमें 30 हजार रुपये केन्द्र सरकार तथा 15 हजार रुपये राज्य सरकार द्वारा प्रदान किए जाते हैं। इसी प्रकार 2 किलोवाट क्षमता के प्लांट पर कुल 90 हजार रुपये का अनुदान मिलता है, जिसमें 60 हजार रुपये केन्द्र एवं 30 हजार रुपये राज्य सरकार का अंश शामिल है। वहीं 3 किलोवाट अथवा उससे अधिक क्षमता के प्लांट पर कुल 1 लाख 8 हजार रुपये का अनुदान उपलब्ध है, जिसमें 78 हजार रुपये केन्द्र सरकार तथा 30 हजार रुपये राज्य सरकार द्वारा दिए जाते हैं।

योजना को और अधिक सुलभ बनाने के लिए 3 किलोवाट तक के सोलर प्लांट की स्थापना हेतु

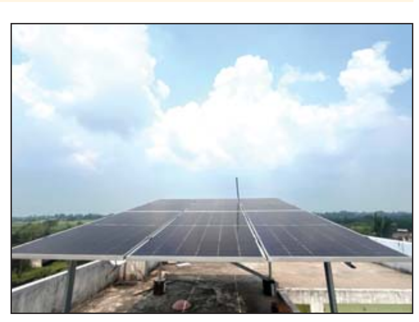

बैंकों के माध्यम से 6 प्रतिशत वार्षिक ब्याज दर पर 10 वर्षों के लिए ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। इस ऋण की मासिक ईएमआई सामान्यतः उपभोक्ता के मासिक बिजली बिल से भी कम होती है।

रूफ्टॉप सोलर प्लांट की स्थापना की अनुमानित लागत लगभग 65 हजार रुपये प्रति किलोवाट है। इच्छुक उपभोक्ता प्रधानमंत्री सूर्यघर मुफ्त बिजली योजना के ऑनलाइन पोर्टल पर आवेदन कर सकते हैं अथवा अपने निकटतम विद्युत वितरण केन्द्र, उपसंभाग अथवा संभागीय कार्यालय से संपर्क कर विस्तृत जानकारी प्राप्त कर सकते हैं।

यह योजना न केवल बिजली बिल में उल्लेखनीय बचत का अवसर प्रदान करती है, बल्कि स्वच्छ एवं हरित ऊर्जा को बढ़ावा देकर पर्यावरण संरक्षण और ऊर्जा आत्मनिर्भरता की दिशा में भी महत्वपूर्ण योगदान देती है।

एनआईटी रायपुर में न्यूरोरिहैबिलिटेशन और असिस्टिव रोबोटिक्स पर प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्वास्थ्य देखभाल प्रौद्योगिकियों और स्वदेशी बायोमेडिकल नवाचार को बढ़ावा देने की दिशा में एक बड़ा कदम उठाते हुए, राष्ट्रीय प्रौद्योगिकी संस्थान रायपुर के बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग ने इंस्टीट्यूट ऑफइलेक्ट्रिकल एंड इलेक्ट्रॉनिक्स इंजीनियर्स - इंजीनियरिंग इन मेडिसिन एंड बायोलॉजी सोसाइटी के प्रतिष्ठित व्याख्यान कार्यक्रम (डिस्टिंग्विश्ड लेक्चरर्स प्रोग्राम) का आयोजन किया। 'न्यूरोरिहैबिलिटेशन और न्यूरोसाइंस' (तंत्रिका-पुनर्वास और तंत्रिका-विज्ञान) के विषय पर केंद्रित इस उच्च स्तरीय अंतर्राष्ट्रीय संगोष्ठी का आयोजन आज संस्थान परिसर के हीरा प्रेक्षागृह में किया गया।

इस एक दिवसीय सम्मेलन का उद्घाटन एनआईटी रायपुर के प्रभारी निदेशक प्रोफेसर समर वाजपेयी ने मुख्य अतिथि के रूप में किया। बायोमेडिकल इंजीनियरिंग विभाग के एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. सुदीप पॉल के पर्यवेक्षण में आयोजित इस कार्यक्रम ने ज्ञान साझा करने का एक जीवंत मंच तैयार किया। इसमें न्यूरोसाइंस, रिहैबिलिटेशन रोबोटिक्स और डिजिटल हेल्थकेयर के अग्रणी विकास पर विचार-विमर्श करने के लिए छात्रों, शोधकर्ताओं, संकाय सदस्यों, स्वास्थ्य सेवा पेशेवरों और चिकित्सा उपकरण उद्योग के विशेषज्ञों ने हिस्सा लिया।

सभा को संबोधित करते हुए वैश्विक विशेषज्ञों ने इंजीनियरिंग और न्यूरोलॉजिकल मेडिसिन के क्रांतिकारी संगम पर प्रकाश डाला। यूनिवर्सिटी ऑफमोरातुवा, श्रीलंका के मैकेनिकल इंजीनियरिंग विभाग की बायोनिक्स लेबोरेटरी से आए प्रोफेसर रुवान गोपुरा ने शारीरिक रूप से कमजोर व्यक्तियों के जीवन स्तर को ऊपर उठाना: पावर-असिस्ट रोबोटिक सिस्टम की भूमिका विषय पर अपना आधिकारिक व्याख्यान दिया। प्रोफेसर गोपुरा ने रोबोटिक एक्सोस्केलेटन और पावर-असिस्टेड मोबिलिटी में नवीनतम प्रगति के बारे में विस्तार से बताया और इस बात पर जोर दिया कि कैसे स्मार्ट सहायक तकनीकें शारीरिक रूप से अक्षम व्यक्तियों की आत्मनिर्भरता को बहाल कर रही हैं। मरीजों के ठीक होने में आने वाली नैदानिक चुनौतियों पर चर्चा करते हुए, इटैलियन इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी - नेशनल इंस्टीट्यूट फॉर इंश्योरेंस अगेंस्ट एक्सीडेंट्स एट वर्क (ढ्ढह्लढ्ढरु) रिहैब टेक्नोलॉजीज लैब, इटली की प्रोफेसर मरियाना सेम्प्रीनी ने न्यूरोरिहैबिलिटेशन में विश्वसनीय मूल्यांकन के लिए चुनौतियां और भविष्य की दिशाएं विषय पर एक प्रभावशाली व्याख्यान दिया। प्रोफेसर सेम्प्रीनी ने पुनर्वास (रिहैबिलिटेशन) के क्षेत्र में निष्पक्ष और साक्ष्य-आधारित मूल्यांकन नियमों की अत्यधिक आवश्यकता पर बल दिया, जिससे वैश्विक न्यूरो-रिकवरी प्रथाओं में डेटा की विश्वसनीयता संबंधी कमियों को दूर किया जा सके।

इस प्रतिष्ठित अंतर्राष्ट्रीय व्याख्यान कार्यक्रम की सफल मेजबानी अंतर-विषयक अनुसंधान और वैश्विक शैक्षणिक सहयोग में एनआईटी रायपुर की बढ़ती साख को दर्शाती है। इंजीनियरिंग प्रयोगशालाओं और व्यावहारिक चिकित्सा के बीच की दूरी को पाटकर, इस सम्मेलन ने सहायक रोबोटिक्स और न्यूरो-इंजीनियरिंग में सहयोगात्मक अनुसंधान के नए रास्ते खोले हैं।

छत्तीसगढ़ में हीरा खनन की तैयारी तेज : एनसीएल बोर्ड का बड़ा फैसला

बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में बड़े व्यास की ड्रिलिंग को मंजूरी

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ में हीरा खनन की तैयारी तेज छत्तीसगढ़ की खनिज संपदा को नई पहचान दिलाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया गया है। एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) के निदेशक मंडल की नई दिल्ली में आयोजित बैठक में महासमुंद जिले के बलौदा-बेलमुंडी डायमंड ब्लॉक में परियोजना के अगले चरण को मंजूरी देते हुए लार्ज डायमीटर ड्रिलिंग शुरू करने का निर्णय लिया गया।

यह कदम इस क्षेत्र में हीरे के वास्तविक भंडार का वैज्ञानिक आकलन करने और भविष्य में व्यावसायिक हीरा खनन का मार्ग प्रशस्त करने की दिशा में सबसे महत्वपूर्ण चरण माना जा रहा है।

बैठक में निदेशक मंडल ने परियोजना की अब तक की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की तथा निर्देश दिए कि प्रॉस्पेक्टिंग लाइसेंस की अवधि के भीतर सभी तकनीकी कार्य समयबद्ध ढंग से पूरे किए जाएं। बड़े व्यास की ड्रिलिंग से किम्बरलाइट पाइप में मौजूद हीरा भंडार का सटीक आकलन किया जाएगा। इसके बाद विस्तृत व्यवहार्यता रिपोर्ट तैयार होगी, जिसके आधार पर व्यावसायिक हीरा खदान विकसित करने का अंतिम निर्णय लिया जाएगा। एनसीएल के निदेशक मंडल की बैठक में श्री अमिताभ मुखर्जी, आशीष चटर्जी, छत्तीसगढ़ खनिज विकास निगम के अध्यक्ष सौरभ सिंह, खनिज विभाग के सचिव पी. दयानंद, छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन के प्रबंध संचालक रजत बंसल, उपेंद्र कुमार तथा विनय कुमार उपस्थित रहे।

एनएमडीसी-सीएमडीसी लिमिटेड (एनसीएल) भारत सरकार के उपक्रम एनएमडीसी लिमिटेड (51 प्रतिशत) तथा छत्तीसगढ़ मिनरल डेवलपमेंट कॉर्पोरेशन (49 प्रतिशत) का संयुक्त उपक्रम है। कंपनी अब तक लौह अयस्क परियोजनाओं पर केंद्रित रही है, लेकिन बलौदा-बेलमुंडी में प्राकृतिक हीरों की पुष्टि के बाद यह बहु-खनिज विकास की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रही है। एनसीएल द्वारा स्ट्रीम सेडिमेंट सैंपलिंग, भू-भौतिकीय सर्वेक्षण और लक्षित ड्रिलिंग के माध्यम से किम्बरलाइट पाइप की पहचान की गई। इसके बाद लगभग 200 टन बल्क सैंपल का परीक्षण एनएमडीसी के पन्ना डायमंड प्रोसेसिंग प्लांट में किया गया, जहां 1.22 कैरेट वजन के पांच प्राकृतिक हीरे प्राप्त हुए। इससे इस क्षेत्र में हीरा युक्त भू-संरचना की वैज्ञानिक पुष्टि हो चुकी है।

बोत्सवाना, दक्षिण अफ्रीका, कनाडा और ऑस्ट्रेलिया जैसे प्रमुख हीरा उत्पादक देशों के अनुभव बताते हैं कि प्रारंभिक चरण में इस प्रकार की सफलता भविष्य में बड़े व्यावसायिक भंडार मिलने का संकेत हो सकती है। इसलिए बलौदा-बेलमुंडी परियोजना को छत्तीसगढ़ ही नहीं, बल्कि देश के लिए भी एक महत्वपूर्ण खनिज परियोजना माना जा रहा है। बैठक में राज्य की अन्य प्रमुख लौह अयस्क परियोजनाओं की भी समीक्षा की गई। बैलाडीला डिपॉजिट-4 में चालू वित्तीय वर्ष के दौरान 10 लाख टन उत्पादन का लक्ष्य रखा गया है, जिसे चरणबद्ध रूप से बढ़ाकर 70 लाख टन प्रतिवर्ष किया जाएगा। वहीं बैलाडीला डिपॉजिट-13 को एक करोड़ टन वार्षिक क्षमता के साथ विकसित करने की दिशा में भी कार्य जारी है। बैठक में यह भी दोहराया गया कि सभी परियोजनाओं में पर्यावरण संरक्षण, वैज्ञानिक खनन, जल संरक्षण, अपशिष्ट प्रबंधन तथा स्थानीय समुदायों के सामाजिक-आर्थिक विकास को सर्वोच्च प्राथमिकता दी जाएगी।

प्रियंका चोपड़ा ने अपनी सफलता को लेकर कही यह बात, बोलीं- 'मैं उसे करके...'

प्रियंका चोपड़ा जोनस ने अपने कई दशकों के करियर के पीछे की सोच के बारे में बात की। उन्होंने कहा कि एंटरटेनमेंट की दुनिया में उनकी सफलता के पीछे मुख्य बात इंसान बने रहना और कमियों को अपनाना है।

अभिनेत्री प्रियंका चोपड़ा जोनस ने एंटरटेनमेंट इंडस्ट्री में अपने लंबे सफर और कामयाबी के राज के बारे में खुलकर बात की है। उनका मानना है कि सफलता के लिए हमेशा हर चीज में एकदम सही होना जरूरी नहीं है, बल्कि अपनी कमियों को स्वीकार करना और इंसान बने रहना ज्यादा जरूरी है।

परफेक्शन नहीं, दर्शकों से दिल का रिश्ता जरूरी

प्रियंका ने बताया कि करियर की शुरुआत में वह हर चीज को परफेक्ट करने की कोशिश करती थीं। लेकिन समय के साथ उन्हें समझ आया कि दर्शक आपकी कमियों से और आपकी सच्चाई से जुड़ते हैं। जब आप अपनी गलती मान लेते हैं और यह स्वीकार करते हैं, तब फैंस के साथ दिल का रिश्ता बनता है।

'ना' सुनने पर दोगुनी ताकत से काम करना

प्रियंका ने अपनी कामयाबी का एक बड़ा कारण रिजेक्शन का डटकर सामना करना बताया। उन्होंने कहा, 'मैं बहुत महत्वाकांक्षी हूं। अगर मुझे किसी काम के लिए न कहा जाता है, तो मेरा मन उस काम को और भी ज्यादा करने का करता है।'

प्रियंका ने हाल ही में आई अपनी फिल्म 'द ब्लफ' की सफलता को लेकर खुलकर बात की। इसमें उन्होंने एक महिला समुद्री डाकू का किरदार निभाया है। उन्होंने कहा कि इंडस्ट्री में महिलाओं के आगे बढ़ने की एक सीमा तय कर दी जाती है। ऐसे में मौकों का इंतजार करने के बजाय खुद पहल करनी पड़ती है। यही वजह है कि उन्होंने एक्टिंग के साथ-साथ फिल्मों का निर्माण करना भी शुरू किया।

दूसरों के लिए मददगार बनना

जब प्रियंका ने हॉलीवुड में कदम रखा, तो वह वहां किसी को नहीं जानती थीं। शुरुआत में उन्हें मुख्य भूमिकाएं नहीं मिल रही थीं, क्योंकि स्टूडियोज किसी भारतीय कलाकार को मुख्य रोल में नहीं सोचते थे। इसलिए उन्होंने खुद अपनी फिल्में प्रोड्यूस करना शुरू किया।

अब वह अपने प्रोडक्शन हाउस के जरिए नए कलाकारों और क्रिएटर्स को आगे बढ़ने के लिए एक प्लेटफॉर्म देना चाहती हैं।

इन फिल्मों में नजर आएंगी प्रियंका

प्रियंका तेलुगु फिल्म 'वाराणसी' में नजर आएंगी। इसे करीब 200 भाषाओं में डब किया जाएगा। इसमें प्रियंका के साथ साउथ सुपरस्टार महेश बाबू और पृथ्वीराज सुकुमारन नजर आएंगे।

इस फिल्म का निर्देशन एसएस राजामौली करेंगे। इसके अलावा प्रियंका अभिनेता ऑरलैंडो ब्लूम के साथ फिल्म 'रीसेट' में नजर आएंगी।

गोल्डन और व्हाइट ड्रेस में अमीई मिसोबाह का शानदार अंदाज़

अभिनेत्री अमीई मिसोबाह एक बार फिर अपने लेटेस्ट फैशन फोटोशूट को लेकर चर्चा में हैं। गोल्डन और व्हाइट रंग के बेहद खूबसूरत परिधान में नज़र आईं अमीई ने अपनी खूबसूरती, आत्मविश्वास और शालीनता से सभी का ध्यान अपनी ओर आकर्षित कर लिया है। इस फोटोशूट ने एक बार फ़िर साबित कर दिया है कि वह तेजी से उभरती हुई फैशन आइकन हैं।

तस्वीरों में अमीई विभिन्न आकर्षक पोज़ देती हुई दिखाई दे रही हैं, जहां उनका ग्लैमर और एलिगेंस का अनोखा संगम देखने को मिलता है। गोल्डन रंग की चमक उनके लुक में लग्जरी का एहसास जोड़ती है, वहीं व्हाइट आउटफिट उनकी सादगी और आकर्षण को और निखारता है। दोनों रंगों का यह मेल उनकी प्राकृतिक सुंदरता को बेहतरीन ढंग से उभारता है। उनका बेदाग मेकअप, मनमोहक एक्सप्रेशन्स और आत्मविश्वास से भरपूर व्यक्तित्व पूरे फोटोशूट को एक हाई-फैशन मैगज़ीन के कवर जैसा शानदार बना देता है। सोशल मीडिया पर फैंस उनकी तारीफ करते नहीं थक रहे हैं और उनके फैशन सेंस व स्टाइलिश अंदाज़ की जमकर सराहना कर रहे हैं। चाहे आउटफिट की बारीकियां हों या उसे आत्मविश्वास के साथ प्रस्तुत करने का अंदाज़, अमीई यह साबित करती हैं कि असली स्टाइल आत्मविश्वास और मौलिकता में बसता है। यह फोटोशूट न केवल उनके फैशन-फॉरवर्ड व्यक्तित्व को दर्शाता है, बल्कि हर माहौल में चमकने की उनकी क्षमता को भी उजागर करता है।

फैशन और आत्म-अभिव्यक्ति के बारे में बात करते हुए अमीई ने कहा कि फैशन सिर्फ कपड़ों तक सीमित नहीं है, यह आपकी पहचान का प्रतिबिंब है। जब आप अपने पहनावे में आत्मविश्वास महसूस करते हैं, तो आपकी आंतरिक सुंदरता अपने आप निखरकर सामने आती है।

इस मनमोहक गोल्डन और व्हाइट फोटोशूट के साथ अमीई मिसोबाह ने एक बार फिर अपनी खूबसूरती, आकर्षण और स्टार पावर से दर्शकों का दिल जीत लिया है। फैंस इन शानदार तस्वीरों की जमकर सराहना कर रहे हैं और यह साफ है कि अमीई का फैशन सफर लगातार नई ऊंचाइयों को छू रहा है।

लॉक अप सीजन 2 में कैद होने वाली हैं टीवी की मासूम बहू

कंटेस्टेंट्स को देंगी टफ कंपटीशन, शिवांगी जोशी

टीवी एक्ट्रेस शिवांगी जोशी इन दिनों खूब सुर्खियों में हैं। जल्द ही वो आने वाले रियलिटी शो लॉक अप सीजन 2 में नजर आने वाली हैं, जिसे लेकर उनके फैंस बहुत एक्साइटेड हैं। पर्दे पर मासूम और छुई मुई बहू का किरदार निभाने वाली शिवांगी शो में नए अवतार के नजर आने वाली है। इसी बीच शो के लिए एक्साइटमेंट और खुशी दिखाते हुए शिवांगी ने कई बातें शेयर की हैं।

कंटेंस्टेंट के रूप में नेटफ्लिक्स के इस शो में एंट्री करने पर शिवांगी ने कहा कि मैं बहुत स्ट्रॉन्ग रहूंगी और हिम्मत करके खेलूंगी। मैं बहुत सेंसिटिव और नर्वस हूं, लेकिन अब मैंने चैलेंज ले लिया है, तो इसे एक्सेप्ट करते हुए आगे बढ़ूंगी। शिवांगी की ये बातें उनके फैंस को बहुत पसंद आ रही है और सभी उनका हौसला बढ़ा रहे हैं।

बता दें कि शिवांगी को ये रिश्ता क्या कहलाता है से नई ऊंचाई मिली और उन्हें हर घर में पहचान मिली। इसके बाद उन्हें टीवी की सबसे पसंदीदा बहू और बेटी के से एक माना जाता हैं। आज भी उनके शोज के लिए फैंस बेसब्री से इंतजार करते है और उनका साथ देते हैं। अब नेटफ्लिक्स जैसे ओटीटी प्लेटफॉर्म पर वो इस रियलिटी शो में दस्तक दे रही है, जिसे फराह खान और रितेश देशमुख होस्ट करने वाले हैं। ये शो 28 जून से स्ट्रीम किया जाएगा और इसमें शिवांगी के अलावा राम कपूर जैसे कलाकार नजर आने वाले हैं।

वहीं बात करें करियर की, तो शिवांगी ने बेगूसराय सीरियल से शुरुआत की थी। वो उत्तराखंड की एक सिंपल लड़की थी, जिसे अंदाजा नहीं था कि वो यहां तक पहुंचेगी। ये रिश्ता क्या कहलाता है में उनके किरदार ने सभी दर्शकों पर मानो जादू कर दिया हो।

इसके अलावा शिवांगी को खतरों के खिलाड़ी में भी देखा गया, लेकिन तबियत खराब होने की वजह से उन्होंने बीच के शो छोड़ दिया। अब ये शो उनके करियर को नई ऊंचाई दे सकता हैं।

रिया चक्रवर्ती ने किया बड़ा खुलासा किस चीज लिए चुना था 'चुड़ैल का बदला' नाम!

रिया चक्रवर्ती की जिंदगी को एक घटना ने पूरी तरह से बदल दिया था। इन दिनों वह अपनी जिंदगी की नई शुरुआत में लगी हैं। एक्टिंग के कम होते मौकों के बीच एक अलग तरह का काम उन्होंने शुरू किया है। इस काम के लिए ही अलग नाम वह सोच रही थीं। 'चुड़ैल का बदला' नाम भी उन्होंने चुना। फिर वह अपने फैसले से पलट गईं? जानिए, क्यों?

साल 2020 में सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद बड़ा विवाद खड़ा हुआ। इस विवाद ने रिया चक्रवर्ती की जिंदगी को बदलकर रख दिया। अब वह बतौर एंटरप्रेन्योर काम कर रही हैं। अपना एक क्लोदिंग ब्रैंड एक्ट्रेस ने शुरू किया है। इसके लिए जब नाम सोचने की बारी आई तो उन्होंने 'ब्लैक शीप' और 'चुड़ैल का बदला' जैसे नाम सोचे थे। फिर बाद में यह नाम ब्रैंड को दिए नहीं। इसकी वजह भी रिया ने हालिया एक इंटरव्यू में साझा की है।

क्यों नहीं रखा ब्रैंड का नाम 'चुड़ैल का बदला'?

नेहा धूपिया और अंगद बेदी के शो 'डबल डेट' के हालिया एपिसोड में रिया ने अपने क्लोदिंग ब्रांड 'चैप्टर 2' के बारे में बात की। वह कहती हैं, 'मैं ब्रांड का नाम 'चुड़ैल का बदला' रखने के लिए बहुत एक्साइटेड थी। मैंने कूल टी-शर्ट और मर्चेंडाइज बनाने की भी कल्पना की थी। सबने मुझे इतना नेगेटिव न होने के लिए कहा। लेकिन मैं कहती रही कि यह नेगेटिव नहीं है, यह मजेदार है। फिर मैं ब्रांड का नाम 'ब्लैक शीप' रखना चाहती थी। मैंने 'ब्लैक शीप' लिखे हुए ब्रेसलेट भी बनवाए थे। दरअसल, उस समय हमें समाज की ब्लैक शीप जैसा महसूस हो रहा था।'

साल 2020 में अपने पूर्व बॉयफ्रेंड और एक्टर सुशांत सिंह राजपूत की मौत के बाद रिया को जेल जाना पड़ा। उन पर कई आरोप लगे। पिछले साल इस मामले में सेंट्रल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन की क्लोजर रिपोर्ट से रिया को राहत मिली। उन्हें सभी आरोपों से बरी कर दिया गया। रिया ने एक इंटरव्यू में इस मुश्किल दौर का जिक्र किया था, अपनी मेंटल हेल्थ को लेकर बात की।

क्या होता है जब आप रोजाना दांत नहीं साफ करते?

दांतों की देखभाल करना बहुत जरूरी है और इसमें रोजाना कम से कम दो बार दांत साफकरना शामिल है। जब लोग इस आदत को नजरअंदाज करते हैं तो उन्हें मुंह की कई समस्याओं का सामना करना पड़ सकता है। कई लोग सोचते हैं कि सिर्फसुबह के समय दांत साफ करना जरूरी है, जबकि रात में भी यह उतना ही अहम है। आइए जानते हैं कि रोजाना दांतों की सफाई न करने से क्या-क्या समस्याएं हो सकती हैं।

मुंह की बदबू

मुंह की बदबू एक आम समस्या है, लेकिन यह काफी शर्मिंदगी भरी हो सकती है। ऐसा तब होता है जब आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते हैं क्योंकि मुंह के अंदर बैक्टीरिया पनपने लगते हैं, जो बदबू का कारण बनते हैं। इसके अलावा खाना खाने के बाद मुंह में खाना फंसने से भी बदबू हो सकती है। इससे बचने के लिए रोजाना दो बार दांत साफ करना जरूरी है।

दांतों का कमजोर होना

रोजाना दांत साफ न करने से दांत कमजोर हो जाते हैं और उनके टूटने की संभावना बढ़ जाती है। जब दांतों की सफाई नहीं होती तो उन पर गंदगी जमने लगती है, जो उन्हें कमजोर कर देती है। इसके अलावा बैक्टीरिया भी पनपने लगते हैं, जिससे दांतों में सडन् और छेद हो सकते हैं। इसलिए यह जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफ करें और अपने दांतों की देखभाल करें।

मसूड़ों की समस्या

अगर आप नियमित रूप से दांत साफ नहीं करते तो इससे आपके मसूड़ों की सेहत पर भी बुरा असर पड़ सकता है। गंदगी जमने के कारण मसूड़ों में सूजन, खून आना और दर्द हो सकता है। इसके अलावा मसूड़े कमजोर होकर टूटने लगते हैं, जिससे दांत भी गिर सकते हैं। मसूड़ों की समस्या से बचने के लिए रोजाना दांत साफ करना जरूरी है ताकि गंदगी जमा न हो और मसूड़े स्वस्थ रहें।

पाचन तंत्र पर असर

पेट की समस्याओं का सीधा संबंध मुंह की सेहत से होता है। अगर आप नियमित रूप से दांत साफनहीं करते तो मुंह के बैक्टीरिया पेट में जाकर वहां भी संक्रमण फैला सकते हैं, जिससे पेट दर्द, गैस, उल्टी जैसी समस्याएं हो सकती हैं। इसके अलावा मुंह की खराब सेहत पाचन तंत्र को भी प्रभावित कर सकती है। इसलिए रोजाना दो बार दांत साफकरना जरूरी है ताकि पेट संबंधित समस्याओं से बचा जा सके।

शरीर की अन्य समस्याएं

मुंह की खराब सेहत केवल मुंह तक सीमित नहीं रहती बल्कि पूरे शरीर पर असर डालती है। बैक्टीरिया खून के माध्यम से पूरे शरीर में फैल सकते हैं, जिससे दिल की बीमारी, शुगर जैसी कई गंभीर रोग हो सकते हैं। इसके अलावा शरीर की प्रतिरोधक क्षमता भी कमजोर हो सकती है। इसलिए यह बहुत जरूरी है कि आप नियमित रूप से दांत साफकरें ताकि इन सभी समस्याओं से बचा जा सके।

खास खबर

भाजपा का डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म अभियान तेज

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी ने 'पंडित दीनदयाल उपाध्याय प्रशिक्षण महाभियान' के तहत डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म को लेकर शनिवार को एक महत्वपूर्ण वर्चुअल बैठक आयोजित की। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव तथा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय शामिल हुए। बैठक में प्रदेश के सभी सांसद, विधायक, निगम-मंडल एवं आयोगों के अध्यक्ष तथा विधानसभा प्रभारी वर्चुअल माध्यम से जुड़े।मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि डिजिटल लर्निंग प्लेटफॉर्म संगठन को आधुनिक और तकनीकी रूप से मजबूत बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल है। उन्होंने कहा कि इस प्रशिक्षण से न केवल कार्यकर्ताओं बल्कि जनप्रतिनिधियों का भी डिजिटल एवं तकनीकी ज्ञान बढ़ेगा। साथ ही बूथ स्तर के नए और युवा कार्यकर्ताओं को पार्टी की विचारधारा, इतिहास और कार्यप्रणाली की जानकारी घर बैठे उपलब्ध होगी।

रायपुर में ऑटो-ई-रिक्शा में लगेगा क्यूआर कोड

रायपुर। राजधानी रायपुर में सार्वजनिक परिवहन व्यवस्था को सुरक्षित और व्यवस्थित बनाने की दिशा में पुलिस कमिश्नरेट ने एक और महत्वपूर्ण कदम उठाया है। अब शहर में चलने वाले ऑटो और ई-रिक्शा में क्यूआर कोड लगाया जाएगा, जिससे यात्री वाहन और चालक की पूरी जानकारी आसानी से प्राप्त कर सकेंगे। शनिवार को यातायात कार्यालय परिसर कालीबाड़ी में पुलिस कमिश्नर डॉ. संजीव शुक्ला ने ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों में क्यूआर कोड चस्पा करने के दूसरे चरण का शुभारंभ किया। इस दौरान उन्होंने कहा कि शहर में आने-जाने वाले नागरिकों को सुरक्षित और सुव्यवस्थित परिवहन सुविधा उपलब्ध कराना कमिश्नरेट पुलिस की प्राथमिकता है। पुलिस के अनुसार, प्रथम चरण के तहत 20 मई 2026 से ऑटो और ई-रिक्शा वाहनों का डिजिटल पंजीयन अभियान शुरू किया गया था।

अंबिकापुर में नवनियुक्त एल्डरमैन का अभिनंदन

अंबिकापुर। भारतीय जनता पार्टी कार्यालय, अंबिकापुर में नगर निगम अंबिकापुर, नगर पंचायत सीतापुर एवं लखनपुर के नवनियुक्त एल्डरमैनों के सम्मान में अभिनंदन समारोह का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में जनप्रतिनिधियों एवं पार्टी पदाधिकारियों की उपस्थिति में नवनियुक्त एल्डरमैनों का स्वागत एवं सम्मान किया गया। इस अवसर पर सभी नवनियुक्त एल्डरमैनों को उनके नए दायित्व के लिए हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दी गईं। वक्ताओं ने विश्वास व्यक्त किया कि सभी जनप्रतिनिधि जनता की अपेक्षाओं पर खरा उतरते हुए अपने-अपने क्षेत्रों के विकास, जनकल्याण और नागरिक सुविधाओं के सुदृढ़ीकरण के लिए पूरी निष्ठा, ईमानदारी और समर्पण के साथ कार्य करेंगे।समारोह में स्थानीय विकास, जनसमस्याओं के त्वरित समाधान और आम नागरिकों तक शासन की योजनाओं का लाभ प्रभावी ढंग से पहुंचाने पर भी जोर दिया गया।

हमारी सरकार की दो सबसे अहम प्राथमिकताएं 'विकास' और 'शिक्षा': तोखन साहू

पत्र सूचना कार्यालय, रायपुर द्वारा जगदलपुर में विशेष संवाद कार्यशाला 'वार्तालाप' का आयोजन

श्रीकंचनपथ समाचार

जगदलपुर। भारत सरकार के सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय के अंतर्गत पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी), रायपुर द्वारा बस्तर संभाग के मुख्यालय जगदलपुर में 'वार्तालाप' नामक एक विशेष मीडिया संवाद कार्यशाला का सफल आयोजन किया गया। सेवा, सुशासन और गरीब कल्याण के 12 वर्ष: नक्सलवाद से विकास और विश्वास की ओर बढ़ता बस्तर के मुख्य विषय पर केंद्रित यह कार्यशाला क्षेत्र में हुए परिवर्तनकारी सामाजिक-आर्थिक बदलावों पर चर्चा करने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच साबित हुई। इस संगोष्ठी में विस्तार से बताया गया कि कैसे पिछले 12 वर्षों की लक्षित कल्याणकारी नीतियों ने बस्तर को वामपंथी उग्रवाद के साए से सफलतापूर्वक बाहर निकाला है और इसे विकास, बुनियादी ढांचे के विस्तार तथा जन-विश्वास की एक नई प्रगतिशील राह पर अग्रसर किया है।

कार्यशाला को मुख्य अतिथि के रूप में संबोधित करते हुए, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू ने पिछले 12 वर्षों में केंद्र सरकार की फ्लैगशिप योजनाओं और उपलब्धियों का एक व्यापक लेखा-जोखा साझा किया। उन्होंने रेखांकित किया कि बस्तर जैसे सुदूर क्षेत्रों के सतत परिवर्तन के लिए शिक्षा और विकास दो सबसे महत्वपूर्ण स्तंभ बने हुए हैं। मंत्री महोदय ने कहा कि सुशासन की संकल्पना तब तक अधूरी है जब तक कि शिक्षा का प्रकाश बस्तर के सुदूर कोनों तक नहीं पहुंच जाता और हर नागरिक विकास की मुख्यधारा से नहीं जुड़ जाता। उन्होंने उल्लेख किया कि दूरदर्शी नीतियों के माध्यम से, सरकार लाखों नागरिकों के जीवन स्तर को ऊपर उठाने में सफल रही है, विशेष रूप से उन लोगों के जो ऐतिहासिक रूप से वंचित और पिछड़े क्षेत्रों में रह रहे हैं। सरकार की कल्याणकारी योजनाओं के सांख्यिकीय मील के पत्थरों को प्रस्तुत करते हुए, श्री साहू ने इस बात पर प्रकाश डाला कि कैसे इन पहलों ने देश और बस्तर क्षेत्र के सामाजिक-आर्थिक परिदृश्य को समान रूप से पुनर्जीवित किया है।

वित्तीय समावेशन को बढ़ावा देने के लिए, 58 करोड़ से अधिक जन धन खाते खोले गए हैं, जिससे बैंकिंग सेवाओं से वंचित आबादी को औपचारिक वित्तीय प्रणाली से जोड़ा गया है। मुद्रा योजना के तहत, जमीनी स्तर पर उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए 57 करोड़ से अधिक ऋण स्वीकृत किए गए हैं, जिसमें अनुसूचित जाति/अनुसूचित जनजाति (स्ष्ट/स्ञ्ज) श्रेणियों के 15 लाख से अधिक एमएसएमई उद्यमियों को सीधे तौर पर मजबूत करना शामिल है। इसके अलावा, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना के तहत, मुफ्त राशन वितरण के माध्यम से 81 करोड़ से अधिक नागरिकों के लिए खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित की जा रही है, जिसने 25 करोड़ से अधिक लोगों को बहुआयामी गरीबी से बाहर निकालने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

मंत्री महोदय ने बुनियादी ढांचे और बुनियादी जरूरतों से जुड़ी योजनाओं पर भी प्रकाश डाला और नोट किया कि गरीबों के लिए पक्के मकान के सपने को पूरा करने के लिए 4 करोड़ से अधिक ग्रामीण और शहरी आवासों का निर्माण किया गया है। उज्ज्वला योजना ने 11 करोड़ से अधिक मुफ्त गैस कनेक्शन प्रदान करके महिलाओं को सशक्त बनाया है, जबकि 5 लाख से अधिक गांवों को खुले में शौच से मुक्त घोषित किया जा चुका है और वहां बुनियादी सुविधाएं संतृप्त की गई हैं। सामाजिक सुरक्षा और महिला सशक्तिकरण के संदर्भ में, सशस्त्र बलों में परमानेंट कमीशन और नौकरियों के समान अवसर देकर रक्षा क्षेत्र में महिलाओं की भागीदारी को बढ़ाया गया है। इसके अतिरिक्त, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना जैसे प्रमुख सामाजिक सुरक्षा नेट ने 7 करोड़ से अधिक गरीब लोगों को सीधा बीमा कवर प्रदान किया है।

श्री साहू ने कृषि और प्रौद्योगिकी के क्षेत्र में भारत के बढ़ते वैश्विक कदमों की ओर भी इशारा किया और कहा कि भारत दुनिया में मोटे अनाज (मिलेट्स) का सबसे बड़ा उत्पादक देश बनकर उभरा है, जिसका सीधा लाभ बस्तर के उन आदिवासी किसानों को मिल रहा है जो कोदो-कुटकी और रागी जैसी पारंपरिक फसलों की खेती करते हैं। उन्होंने यह भी जोड़ा कि देश आज दुनिया का तीसरा सबसे बड़ा स्टार्ट-अप इकोसिस्टम बन चुका है, जो हर स्तर पर नवाचार को बढ़ावा दे रहा है।

कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए बस्तर के सांसद महेश कश्यप ने क्षेत्र के बदलते स्वरूप और इसकी आदिवासी आबादी के समग्र उत्थान पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि बस्तर आज नक्सलवाद के खौफ से मुक्त होकर प्रगति का एक नया अध्याय लिख रहा है। उन्होंने आदिवासी सांस्कृतिक पहचान की रक्षा करने, सामाजिक-आर्थिक विकास को गति देने और मजबूत सामाजिक सुरक्षा प्रदान करने के लिए केंद्र सरकार की पूर्ण प्रतिबद्धता को दोहराया।

नशा मुक्त भारत की दिशा में कानूनी जागरूकता का सशक्त अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर । अंतरराष्ट्रीय नशा निषेध दिवस के अवसर पर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण, सूरजपुर द्वारा नशे के दुष्प्रभावों के प्रति समाज को जागरूक करने तथा युवाओं को सकारात्मक जीवन की ओर प्रेरित करने के उद्देश्य से तीन दिवसीय विशेष जनजागरूकता अभियान का सफल आयोजन किया गया। अभियान के माध्यम से विद्यालयों, विद्यार्थियों, युवाओं तथा नशा मुक्ति केंद्रों से जुड़े लोगों तक कानूनी साक्षरता और पुनर्वास संबंधी महत्वपूर्ण जानकारी पहुंचाई गई।

प्रधान जिला न्यायाधीश एवं अध्यक्ष, जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सूरजपुर श्रीमती विनीता वार्नर तथा सचिव सुश्री पायल टोपनो के मार्गदर्शन में आयोजित इस विशेष अभियान का प्रमुख उद्देश्य नशे के विरुद्ध सामाजिक चेतना को सुदृढ़ करना और युवाओं को सुरक्षित, स्वस्थ एवं जिम्मेदार जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना रहा।

अभियान के अंतर्गत साधु राम विद्या मंदिर सूरजपुर, डी.ए.वी. पब्लिक स्कूल विश्रामपुर तथा स्थानीय नशा मुक्ति केंद्र में विधिक साक्षरता एवं परामर्श कार्यक्रम आयोजित किए गए। इस वर्ष अभियान का विशेष केंद्रबिंदु राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण की 'डॉन' योजना रही, जिसके माध्यम से नशे के दुष्प्रभावों, पुनर्वास सेवाओं तथा निशुल्क विधिक सहायता की जानकारी आमजन तक पहुंचाई गई।

विद्यालयों में आयोजित कार्यक्रमों में व्यवहार न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) श्रीमती रुचि मिश्रा एवं आशीष भगत ने विद्यार्थियों को नशे के शारीरिक, मानसिक, सामाजिक एवं शैक्षणिक दुष्परिणामों से अवगत कराया। उन्होंने कहा कि नशा व्यक्ति के भविष्य, परिवार की खुशहाली और समाज की प्रगति के लिए गंभीर चुनौती है, जिससे बचाव ही सबसे प्रभावी उपाय है।

नशा मुक्ति केंद्र सूरजपुर में आयोजित विशेष सत्र में पैरा लीगल वॉलेंटियर श्री सत्य नारायण ने उपचाररत व्यक्तियों की काउंसलिंग करते हुए पुनर्वास की प्रक्रिया, सामाजिक पुनर्स्थापन और कानूनी संरक्षण से संबंधित जानकारी प्रदान की। उन्होंने बताया कि नशे से मुक्ति का संकल्प लेने वाले व्यक्तियों को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से निशुल्क कानूनी सहायता, परामर्श तथा पुनर्वास सेवाओं से जोड़ा जाता है।

कार्यक्रमों के दौरान किशोर न्याय अधिनियम, बच्चों के अधिकारों, सुरक्षा एवं संरक्षण संबंधी कानूनी प्रावधानों की भी विस्तृत जानकारी दी गई। वक्ताओं ने विद्यार्थियों को अपने अधिकारों के साथ-साथ सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति भी सजग रहने का संदेश दिया।

विशेषज्ञों ने बताया कि ड्रग्स की 'डॉन' योजना नशे की समस्या से जूझ रहे व्यक्तियों को न्याय, परामर्श, उपचार और पुनर्वास से जोड़ने की एक महत्वपूर्ण पहल है। इसके अंतर्गत नशीले पदार्थों के अवैध व्यापार से जुड़े कानूनों, विशेषकर एनडीपीएस अधिनियम की जानकारी देकर युवाओं को जागरूक किया जाता है, वहीं स्वेच्छा से नशा छोड़ने वालों की पहचान को गोपनीय रखते हुए उन्हें सुरक्षित और सम्मानजनक उपचार उपलब्ध कराने पर बल दिया जाता है। अभियान के समापन अवसर पर

आंगनबाड़ी भवन मुक्त होने से फिर शुरू हुई पोषण और शिक्षा की गतिविधियां

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। बच्चों के पोषण, स्वास्थ्य और प्रारंभिक शिक्षा को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए बलरामपुर जिला प्रशासन ने विकासखंड वाड्रफनगर के ग्राम पंडरी स्थित बछरूडूबा आंगनबाड़ी भवन को मुक्त कराकर पुन: महिला एवं बाल विकास विभाग को सौंप दिया है। इसके साथ ही केंद्र में संचालित होने वाली सभी सेवाएं नियमित रूप से प्रारंभ हो गई हैं, जिससे क्षेत्र के बच्चों और माताओं को बड़ी राहत मिली है।

कलेक्टर चंदन संजय त्रिपाठी के निर्देश पर अनुविभागीय अधिकारी (राजस्व) वाड्रफनगर के मार्गदर्शन में राजस्व विभाग, ग्राम पंचायत तथा महिला एवं बाल विकास विभाग के संयुक्त प्रयासों से यह कार्रवाई की गई। जांच के दौरान पाया गया कि आंगनबाड़ी भवन का उपयोग अन्य प्रयोजनों के लिए किया जा रहा था, जिसके कारण केंद्र का संचालन बाधित हो रहा था और बच्चों को मिलने वाली आवश्यक सुविधाएं प्रभावित हो रही थीं। प्रशासन ने 25 जून 2026 को राजस्व विभाग की टीम, ग्राम पंचायत प्रतिनिधियों एवं महिला एवं बाल विकास विभाग की सुपरवाइजर की उपस्थिति में संबंधित पक्ष की सहमति से भवन का ताला खुलवाकर उसे खाली कराया तथा विधिवत महिला एवं बाल विकास विभाग को पुन: सुपुर्द किया। भवन उपलब्ध होने के बाद बछरूडूबा आंगनबाड़ी केंद्र में पूरक पोषण आहार वितरण, प्रारंभिक शिक्षा, पोषण संबंधी गतिविधियां, गर्भवती और शिशुवती माताओं के लिए परामर्श सेवाएं तथा विभागीय योजनाओं का लाभ फिर से नियमित रूप से प्रदान किया जा रहा है।

संभाग स्तरीय रोजगार मेले में युवाओं का बढ़ाया उत्साह, मंत्री राजेश अग्रवाल बोले- प्रतिभा और कौशल को मिलेगा बेहतर अवसर

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री राजेश अग्रवाल ने शनिवार को अंबिकापुर स्थित शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के ऑडिटोरियम हॉल में आयोजित संभाग स्तरीय रोजगार मेले में सहभागिता कर क्षेत्र के युवाओं से आत्मीय संवाद किया।

उन्होंने रोजगार के लिए पहुंचे युवाओं का उत्साहवर्धन करते हुए कहा कि राज्य सरकार की सर्वोच्च प्राथमिकता युवाओं को उनकी प्रतिभा, योग्यता और कौशल के अनुरूप रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराना है। उन्होंने युवाओं से निरंतर परिश्रम, कौशल विकास और आत्मविश्वास के साथ आगे बढ़ने का आह्वान किया।

मंत्री राजेश अग्रवाल ने कहा कि रोजगार मेले केवल नियुक्ति का माध्यम नहीं हैं, बल्कि युवाओं के सपनों को नई दिशा देने का सशक्त मंच हैं। ऐसे आयोजनों के माध्यम से युवाओं को विभिन्न प्रतिष्ठित संस्थानों और उद्योगों से जुड़ने का अवसर मिल रहा है, जिससे उनके उज्ज्वल भविष्य की राह और अधिक मजबूत हो रही है। उन्होंने कहा कि बदलते समय में कौशल और दक्षता ही सफलता की सबसे बड़ी पूंजी है। इसलिए युवाओं को अपनी क्षमताओं का निरंतर विकास करते हुए नए अवसरों के लिए स्वयं को तैयार रखना चाहिए। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार युवाओं को रोजगार एवं स्वरोजगार से जोड़ने के लिए निरंतर प्रयास कर रही है। विभिन्न विभागों के माध्यम से कौशल विकास, प्रशिक्षण और रोजगार उपलब्ध कराने की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन किया जा रहा है, ताकि प्रदेश का प्रत्येक युवा आत्मनिर्भर बन सके और राज्य के विकास में अपनी सक्रिय भागीदारी निभा सके।

इस अवसर पर मंत्री श्री राजेश अग्रवाल ने रोजगार मेले के माध्यम से चयनित सभी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं देते हुए कहा कि रोजगार मेले के माध्यम से क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के नए अवसर प्राप्त हो रहे हैं। चयनित सभी युवाओं को हार्दिक बधाई एवं मंगलकामनाएं। मुझे विश्वास है कि आप सभी अपनी मेहनत, लगन और प्रतिभा से अपने परिवार, समाज और प्रदेश का नाम रोशन करेंगे।

कार्यक्रम के दौरान बड़ी संख्या में युवा, अधिकारी, जनप्रतिनिधि तथा विभिन्न निजी प्रतिष्ठानों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। रोजगार मेले में युवाओं ने उत्साहपूर्वक भाग लिया और विभिन्न कंपनियों में रोजगार प्राप्त करने के लिए साक्षात्कार एवं चयन प्रक्रिया में शामिल हुए। यह आयोजन क्षेत्र के युवाओं को रोजगार के बेहतर अवसर उपलब्ध कराने की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ।

छत्तीसगढ़ के वनांचल में 'पीली क्रांति' से बदलेगी ग्रामीण अर्थव्यवस्था की सूरत

धमतरी का 'नगरी' बनेगा हल्दी उत्पादन का नया हब 250 किसानों ने थामा वैज्ञानिक खेती का हाथ

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। छत्तीसगढ़ के धमतरी जिले का आदिवासी बहुल नगरी विकासखंड अब पारंपरिक खेती से आगे बढ़कर 'पीली क्रांति' (हल्दी उत्पादन) की ओर कदम बढ़ा चुका है। मुख्यमंत्री के मंशानुसार कृषि विविधीकरण को बढ़ावा देने और वनांचल के किसानों की आय में स्थायी वृद्धि सुनिश्चित करने के लिए यहां हल्दी की वैज्ञानिक खेती की एक बड़ी और महत्वाकांक्षी शुरुआत की गई है।

इस मुहिम के तहत नगरी और मगरलोड क्षेत्र के 250 किसानों ने 10 टन उच्च गुणवत्तायुक्त हल्दी बीज की बुवाई कर आगामी सीजन में 250 टन बंपर उत्पादन का लक्ष्य रखा है। जिला प्रशासन की इस पहल की सबसे बड़ी खूबी यह है कि किसानों को सिर्फ फसल उगाने तक सीमित नहीं रखा जा रहा है, बल्कि 'उत्पादन-प्रसंस्करण-ब्रांडिंग-विपणन' की एक सशक्त वैल्यू चेन से जोड़ा जा रहा है।

कलेक्टर के मार्गदर्शन में जिला पंचायत धमतरी, जनपद पंचायत नगरी और 'प्रदान' संस्था के संयुक्त त्रिकोणीय सहयोग से ग्रामीण स्तर पर यह ढांचा तैयार किया गया है।

इसके तहत व्यवस्था को बेहद संगठित रूप दिया गया है। 'गट्टासिल्ली किसान उत्पादक कंपनी' के माध्यम से किसानों को उन्नत किस्म का बीज उपलब्ध कराया गया है। कच्चे माल को सीधे औने-पौने दामों में बेचने के बजाय, जिला पंचायत द्वारा ग्राम कोर्रेमुडा में एक अत्याधुनिक हल्दी प्रसंस्करण इकाई स्थापित की गई है। यहां 'हरिभूमि किसान उत्पादक संगठन' के जरिए हल्दी का पाउडर और अन्य मूल्य संवर्धित उत्पाद तैयार किए जाएंगे। तैयार हल्दी पाउडर को आकर्षक पैकेजिंग और ब्रांडिंग के साथ 'गट्टासिल्ली FPC' द्वारा सीधे बाजार में उतारा जाएगा, जिससे बिचौलियों का खात्मा होगा और किसानों को सीधा मुनाफा मिलेगा।

'कोर्रेमुडा' में हुआ आधुनिक खेती का शंखनाद

इस परियोजना को धरातल पर उतारने के लिए ग्राम पंचायत झुझरकस्सा के आश्रित ग्राम कोर्रेमुडा में एक दिवसीय वृहद तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया गया। इसमें नगरी और मगरलोड विकासखंड के कृषि मित्रों और पीआरपी ने हिस्सा लिया। विशेषज्ञों ने भूमि सुधार, रोगमुक्त राइजोम चयन, बीज उपचार और संतुलित पोषण प्रबंधन की बारिकियां सिखाई। लगभग 270 दिनों की इस फसल के दौरान कृषि मित्र हर चरण में किसानों के खेतों में जाकर तकनीकी मार्गदर्शन देंगे, ताकि उत्पाद की गुणवत्ता अंतरराष्ट्रीय मानकों के अनुरूप हो।

ऊपरी भूमि का सदुपयोग और टिकाऊ आय का जरिया

नगरी विकासखंड का एक बड़ा हिस्सा पथरीली या ऊपरी भूमि के अंतर्गत आता है, जहां धान की खेती उतनी लाभदायक नहीं होती। कृषि विशेषज्ञों के अनुसार, यह भूमि हल्दी जैसी नकदी फसलों के लिए बेहद उपयुक्त है। इस नई पहल से न केवल अनुपयोगी समझी जाने वाली जमीन का बेहतर उपयोग होगा, बल्कि स्थानीय स्तर पर रोजगार के नए अवसर भी पैदा होंगे। यह समन्वित प्रयास आने वाले वर्षों में धमतरी के नगरी क्षेत्र को राज्य के नक्शे पर हल्दी उत्पादन और मूल्य संवर्धन के एक बड़े कृषि-उद्यमिता केंद्र के रूप में स्थापित करने में मील का पत्थर साबित होने जा रहा है।

कलेक्टर के निर्देश पर उर्वरक दुकानों का निरीक्षण

धमतरी। खरीफ सीजन के दौरान किसानों को गुणवत्तापूर्ण उर्वरक समय पर उपलब्ध कराने और वितरण व्यवस्था में पारदर्शिता बनाए रखने के लिए जिला प्रशासन ने निगरानी तेज कर दी है। कलेक्टर अबिनाश मिश्रा के निर्देश पर बीते 26 जून को राजस्व एवं कृषि विभाग की संयुक्त टीम ने जिले के विभिन्न उर्वरक विक्रेताओं की दुकानों का औचक निरीक्षण किया। कार्रवाई के दौरान तीन कृषि केंद्रों में गंभीर अनियमितताएं सामने आने पर मौके पर पंचनामा तैयार कर नियमानुसार कार्रवाई की गई। निरीक्षण में ग्राम कोलियारी स्थित हर्षिका कृषि केंद्र, ग्राम अर्जुनी स्थित अंगारमोती कृषि केंद्र तथा तहसील मगरलोड के ग्राम बोरसी स्थित साहू कृषि केंद्र में स्टॉक पंजी एवं पीओएस मशीन के रिकॉर्ड और भौतिक स्टॉक में अंतर पाया गया।

अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायत पर 3 जेसीबी और 3 ट्रैक्टर वाहन जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश में प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण तथा खनिजों के अवैध उत्खनन और परिवहन पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए लगातार सख्त कार्रवाई की जा रही है। इसी क्रम में गौरेला-पेंड्रा-मरवाही जिले में कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन के निर्देश पर जिला खनिज उड़नदस्ता दल ने अवैध खनन और परिवहन के विरुद्ध बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 जेसीबी मशीन तथा 3 ट्रैक्टर वाहनों को जप्त किया है। यह कार्रवाई राज्य सरकार की शून्य सहिष्णुता की नीति को धरातल पर प्रभावी ढंग से लागू किए जाने का प्रमाण है।

जिले के देवराजपारा-सधवानी तथा बंधी-बचरवार क्षेत्र में खनिज मुरूम एवं मिट्टी के अवैध उत्खनन की शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल जांच कराई गई। वहीं सिलपहरी क्षेत्र में खनिज रेत के अवैध परिवहन की सूचना पर भी खनिज विभाग की टीम ने त्वरित कार्रवाई करते हुए संबंधित वाहनों को जब्त कर लिया। कार्रवाई के दौरान देवराजपारा-सधवानी क्षेत्र से दो जेसीबी, बंधी-बचरवार क्षेत्र से एक जेसीबी तथा सिलपहरी क्षेत्र से रेत परिवहन में लगे तीन ट्रैक्टर वाहनों को जब्त कर सुरक्षित रूप से पुलिस लाइन अमरपुर में रखा गया है।

उल्लेखनीय है कि सधवानी के ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन के टोल फ्री नंबर 1076 तथा कलेक्टर के समक्ष अवैध उत्खनन की शिकायत दर्ज कराई थी। मुख्यमंत्री की जनहितकारी शिकायत निवारण व्यवस्था के माध्यम से प्राप्त शिकायत पर कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन ने तत्काल संज्ञान लेते हुए खनिज विभाग को जांच एवं आवश्यक कार्रवाई के निर्देश दिए। जिला प्रशासन की सक्रियता और खनिज विभाग की तत्परता से शिकायत पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की गई, जिससे आमजन का शासन-प्रशासन पर विश्वास और मजबूत हुआ है। कलेक्टर डॉ. संतोष देवांगन ने स्पष्ट किया है कि जिले में खनिजों के अवैध उत्खनन, परिवहन अथवा भंडारण जैसी किसी भी गतिविधि को किसी भी स्थिति में बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को नियमित निगरानी, सतत निरीक्षण तथा शिकायत प्राप्त होते ही तत्काल कार्रवाई सुनिश्चित करने के निर्देश दिए हैं, ताकि जिले की प्राकृतिक संपदा का संरक्षण हो सके और शासन को राजस्व की क्षति न पहुंचे। खनिज विभाग के अनुसार जप्त किए गए सभी वाहनों के मालिकों के विरुद्ध खान और खनिज (विकास एवं विनियमन) अधिनियम के प्रावधानों के तहत विधिसम्मत कार्रवाई की जा रही है। नियमानुसार अर्थदंड एवं समझौता राशि निर्धारित खनिज मद में जमा कराने के बाद ही संबंधित वाहनों को मुक्त किया जाएगा।

इस कार्रवाई में सहायक खनिज अधिकारी आदित्य मानकर, खनिज निरीक्षक सुजीत कंवर, खनिज सिपाही शिवकुमार लहरे तथा नगर सैनिक सतीश साहू सहित जिला खनिज उड़नदस्ता दल के सदस्यों ने सक्रिय भूमिका निभाई। मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार प्राकृतिक संसाधनों के संरक्षण, सुशासन, पारदर्शिता और कानून के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए प्रतिबद्ध है। राज्य सरकार अवैध खनन के विरुद्ध कठोर रुख अपनाते हुए जनशिकायतों पर त्वरित और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित कर रही है।

खास खबर

कैप्सूल वाहन से भिड़ी बाइक, युवक की इलाज के दौरान मौत

सक्ती। सक्ती जिले के जैजैपुर थाना क्षेत्र में शनिवार को हुए दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की मौत हो गई, जबकि एक बुजुर्ग गंभीर रूप से घायल हो गए। हसौद-धनवार पारा मार्ग पर बाइक और कैप्सूल वाहन की आमने-सामने टक्कर में दोनों बाइक सवार गंभीर रूप से घायल हुए थे। जानकारी के अनुसार, हादसा हसौद-धनवार पारा मार्ग पर हुआ। दुर्घटना में बाइक सवार अरविंद सोनी (निवासी ग्राम भेड़ीकोना, मूल निवासी अड़भार) और सहसराम (करीब 65-70 वर्ष, निवासी ग्राम भेड़ीकोना) गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही डायल-112 और जैजैपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची। दोनों घायलों को तत्काल सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र जैजैपुर पहुंचाया गया। शुरूआती इलाज के दौरान अरविंद सोनी की हालत बेहद गंभीर बनी रही। चिकित्सकों के प्रयासों के बावजूद इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। वहीं, गंभीर रूप से घायल सहसराम की हालत चिंताजनक होने पर उन्हें बेहतर उपचार के लिए जिला अस्पताल जांजगीर रेफर किया गया, जहां उनका इलाज जारी है। हादसे के बाद पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सामान्य कराया। जैजैपुर थाना पुलिस ने मामला दर्ज कर दुर्घटना के कारणों की जांच शुरू कर दी है।

दहेज प्रताड़ना का लगा आरोप तो पति ने दिया तीन तलाक

सरगुजा। अंबिकापुर नगर में दहेज प्रताड़ना के एक मामले ने उस समय नया मोड़ ले लिया, जब समझौते की कोशिश के दौरान पति ने रिश्तेदारों और दोनों पक्षों के लोगों के सामने पत्नी को तीन तलाक दे दिया। पुलिस के अनुसार, कोतवाली थाना क्षेत्र के मोमिनपुरा की 31 वर्षीय सहाना बानो का निकाह 18 जून 2022 को सदर रोड निवासी शोएब खान से हुआ था। पीड़िता का आरोप है कि पति और ससुराल पक्ष कम दहेज लाने का ताना देते हुए प्रताड़ित करते थे। उसके परिजनों ने घरेलू सामान के साथ 3 लाख रुपये नकद भी दिए थे। ससुराल वाले 5 लाख रुपये और मांग रहे थे। उसे मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ना करते थे। बेटी के जन्म के बाद विवाद और बढ़ गया। शिकायत के आधार पर महिला थाना पुलिस ने दोनों पक्षों को काउंसलिंग और समझौते के लिए बुलाया था। तभी पति शोएब खान ने उसे तीन तलाक दे दिया। पुलिस ने नया मामला दर्ज कर लिया है।

लालखदान ब्रिज में युवक पर चाकू से हमला

बिलासपुर। बिलासपुर शहर के लालखदान फ्लाई ओवर ब्रिज पर देर रात एक युवक पर चाकू और बेल्ट से हमला कर लूटपाट की गई। अज्ञात बदमाशों ने वारदात को अंजाम दिया और मौके से फरार हो गए। हमले में घायल युवक को राहगीरों ने डायल-112 की मदद से अस्पताल पहुंचाया। इस घटना के बाद क्षेत्र में लगातार हो रही आपराधिक वारदातों को लेकर तोरवा पुलिस की गश्त और कानून-व्यवस्था पर सवाल उठ रहे हैं। तोरवा टीआई रजनीश सिंह ने बताया कि घायल व्यक्ति से पूछताछ के बाद ही घटना का पूरा ब्योरा मिल पाएगा। उन्होंने यह भी जानकारी दी कि घायल के परिजन युवक की बाइक लेने थाने आए थे, लेकिन उन्होंने अब तक एफआईआर दर्ज नहीं कराई है। इससे अभी यह स्पष्ट नहीं हो पाया है कि हमला रंजिश के चलते किया गया था या लूटपाट के इरादे से। चार दिन पहले हेमूनगर फ्लाई ओवर ब्रिज के पास भी एक युवक के साथ मारपीट कर लूटपाट की गई थी। उस मामले के हमलावर भी अब तक पुलिस की गिरफ्त से बाहर हैं। मौके से गुजर रहे लोगों ने बताया कि लालखदान ब्रिज पर लूटपाट की घटनाएं बढ़ गई हैं और पुलिस इन पर अंकुश लगाने में सफल नहीं हो पा रही है। घायल युवक अस्पताल से अपनी नाइट ड्यूटी कर लौट रहा था, तभी ब्रिज पर अज्ञात हमलावरों ने उसे रोककर नकदी और मोबाइल लूट लिए।

सूने मकानों और वाहन चोरी करने वाले गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी में आवासीय कॉलोनियों के सूने मकानों और दोपहिया वाहनों को निशाना बनाने वाले गिरोह के दो फरार आरोपियों को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपियों की गिरफ्तारी के साथ पुलिस ने चोरी और नकबजनी के कुल आठ मामलों का खुलासा किया है। आरोपियों के कब्जे से सोने-चांदी के जेवरात और वारदात में इस्तेमाल की गई दो एक्टिवा सहित करीब 4.50 लाख रुपये का सामान जब्त किया गया है। आरोपियों का नाम आशुतोष सिंह उर्फ सूरज (22) और साहिल सोनकर (20) बताया जा रहा है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार, एंटी क्राइम एंड साइबर यूनिट और डीडी नगर थाना पुलिस की संयुक्त कार्रवाई में आशुतोष सिंह उर्फ सूरज (22) और साहिल सोनकर (20) को गिरफ्तार किया गया। दोनों आरोपी घटना के बाद से फरार चल रहे थे। इससे पहले इसी गिरोह के सदस्य सिद्धार्थ सिंह उर्फ सिद्धू को गिरफ्तार कर करीब चार लाख रुपये का माल बरामद किया जा चुका है।

पूछताछ में आरोपियों ने बताया कि वे गिरोह बनाकर चोरी की दोपहिया वाहनों से शहर की कॉलोनियों में घूमते थे और सूने मकानों की रेकी कर चोरी की वारदात को अंजाम देते थे। गिरोह ने डीडी नगर थाना क्षेत्र में पांच सूने मकानों में नकबजनी और तीन दोपहिया वाहनों की चोरी की थी। इनमें दो वाहन डीडी नगर और एक वाहन राखी थाना क्षेत्र से चोरी किया गया था।

संगठित अपराध की धारा भी जोड़ी

पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ चोरी, नकबजनी और वाहन चोरी के मामलों के साथ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धारा 111 (संगठित अपराध) भी जोड़ी है। तकनीकी साक्ष्यों, पूछताछ और अन्य सबूतों के आधार पर दोनों आरोपियों को गिरफ्तार किया गया।

पुलिस ने बताया कि तीनों आरोपियों से अब तक कुल 8.50 लाख रुपये मूल्य का चोरी का माल बरामद किया जा चुका है। इसमें सोने-चांदी के जेवरात, चोरी की तीन दोपहिया वाहन, मोबाइल फोन, एटीएम कार्ड और अन्य सामान शामिल हैं। आरोपियों को न्यायालय में पेश कर आगे की कार्रवाई की जा रही है।

नाबालिग को भगाने और दुष्कर्म करने वाला आरोपी गिरफ्तार

रायगढ़। छत्तीसगढ़ के रायगढ़ जिले से एक युवक नाबालिग लड़की को बहला-फुसलाकर पहले विशाखापट्टनम और फिर ओडिशा ले गया, जहां उसने रेप की वारदात को अंजाम दिया। पुलिस ने नाबालिग लड़की को बरामद कर आरोपी को अरेस्ट कर लिया है। मामला कोतरा रोड थाना क्षेत्र का है।

दरअसल 27 अप्रैल 2026 को पिता ने कोतरारोड़ थाना में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। उसने बताया था कि 25 अप्रैल की रात परिवार के सभी सदस्य घर में सोए हुए थे। देर रात लगभग 2 बजे उठने पर घर का मेन गेट खुला मिला और 17 साल की बेटी कमरे से गायब मिली।

रिश्तेदारों ने आसपास काफी तलाश की, लेकिन उसका कोई पता नहीं चला। इसके बाद किसी अज्ञात व्यक्ति ने बहला-फुसलाकर ले जाने की आशंका जताते हुए रिपोर्ट दर्ज कराई गई पुलिस ने धारा 137(2)बीएनएस के तहत केस दर्ज कर मामले की जांच शुरू की। तकनीकी सबूतों और मुखबिर सूचना के आधार पर पहले नाबालिग की लोकेशन विशाखापट्टनम में मिलने की जानकारी मिली। पुलिस टीम रवाना होने की तैयारी कर ही रही थी कि इसी बीच लोकेशन ओडिशा के संबलपुर में प्राप्त हुई। टीम संबलपुर के लिए रवाना हुई, लेकिन रास्ते में ही लोकेशन फिर से बदल गई। लगातार तकनीकी निगरानी और सूचनाओं के आधार पर पुलिस टीम ने 26 जून 2026 को कोड़ातराई क्षेत्र में दबिश देकर नाबालिग को संदेही धीरज निराला उर्फ नानू (19) के पास से बरामद किया। पूछताछ में नाबालिग ने बताया कि आरोपी ने शादी का झांसा देकर उसे विशाखापट्टनम और ओडिशा के संबलपुर ले गया, जहां उसने उसके साथ शारीरिक संबंध बनाए।

न्यायिक रिमांड पर भेजा जेल

ऐसे में पुलिस ने आरोपी धीरज निराला उर्फ नानू को हिरासत में लेकर पूछताछ की। मामले में आरोपी के खिलाफ धारा 87, 65(1) बीएनएस और 6 पॉक्सो एक्ट जोड़ी गई। इसके बाद आरोपी को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उसे न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। मामले में आगे की जांच जारी है।

मरवाही में दर्दनाक सड़क हादसा , ट्रेलर की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

श्रीकंचनपथ न्यूज

मरवाही। मरवाही थाना क्षेत्र अंतर्गत लोहारी मुख्य मार्ग पर स्थित पेट्रोल पंप के पास शनिवार रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे के बाद ट्रेलर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। पुलिस ने ट्रेलर को जब्त कर मामला दर्ज करते हुए जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार, मृतक की पहचान मयंक कुमार केवट, निवासी ग्राम लोहारी के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि मयंक अपनी बाइक से सब्जी मंडी मनेंद्रगढ़ जाने के लिए घर से निकला था और वापसी के दौरान लोहारी पेट्रोल पंप के आगे तेज रफ्तार ट्रेलर ने कथित रूप से लापरवाहीपूर्वक वाहन चलाते हुए उसकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि मयंक के सिर में गंभीर चोटें आईं और उसकी मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मृतक की मां गोमती केवट को फोन के माध्यम से मिली। सूचना मिलते ही परिजन तत्काल मरवाही अस्पताल पहुंचे, जहां चिकित्सकों ने मयंक को मृत घोषित कर दिया। युवक की असमय मौत से परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। गांव में भी शोक का माहौल है और परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है।

घटना की जानकारी मिलते ही मरवाही पुलिस मौके पर पहुंची और आवश्यक कार्रवाई करते हुए शव को कब्जे में लेकर पंचनामा एवं पोस्टमार्टम की प्रक्रिया पूरी कराई। पुलिस ने दुर्घटनाग्रस्त ट्रेलर को जब्त कर लिया है, हादसे के बाद चालक मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश की जा रही है।

डीएसपी से 5 लाख की ठगी: वकील समेत तीन पर एफआईआर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर में रुपए दोगुना करने का झांसा देकर पुलिस मुख्यालय में पदस्थ एक डीएसपी से 5 लाख रुपए की ठगी का मामला सामने आया है। डीएसपी की शिकायत पर सिविल लाइन थाना पुलिस ने वकील नरेश दामोहे समेत तीन आरोपियों के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है।

पुलिस आरोपियों की तलाश में जुट गई है। सिविल लाइन पुलिस के मुताबिक, शिकायत करने वाले पुनदास अंचल रायपुर पुलिस मुख्यालय में डीएसपी के पद पर पदस्थ हैं। उन्होंने बताया कि उनकी पहचान पिछले करीब दो साल से नरेश दामोहे से थी।

नरेश खुद को वकील और फाइनेंस का कारोबार करने वाला बताता था। इसी भरोसे का फायदा उठाकर उसने डीएसपी को पैसे दोगुने करने का लालच दिया। शिकायत के अनुसार, 25 जून को नरेश ने फोन कर कमल विहार स्थित एक अस्पताल के सामने बुलाया।

उसने कहा कि वह 5 लाख रुपए की रकम दोगुनी करके बैंक खाते में जमा करा देगा। डीएसपी तय जगह पर पैसे लेकर पहुंच गए, लेकिन नरेश ने कहा कि उसके लोग अभी नहीं आए हैं। इसके बाद उसने उन्हें अभनपुर रोड पर दूसरी जगह बुलाया। वहां भी काम नहीं हुआ और उसने रात में मिलने की बात कहकर टाल दिया। रात करीब 9 बजे नरेश ने डीएसपी को नेताजी चौक, कटोरा तालाब बुलाया। वहां वह अपने दो साथियों के साथ मिला। इसके बाद तीनों डीएसपी की कार में बैठकर इलेवन ग्राउंड पहुंचे। इसी दौरान नरेश के बुलाने पर तीन और लोग वहां आ गए और आपस में झगड़ा करने लगे। डीएसपी ने बताया कि उन्होंने कार में बैठे लोगों से कहा था कि सूटकेस में 5 लाख रुपए रखे हैं और वे बाहर जाकर विवाद देख रहे हैं।

विवाद बढ़ने पर उन्हें आशंका हुई कि कहीं उनके साथ भी मारपीट न हो जाए, इसलिए वे वहां से हट गए। कुछ देर बाद जब डीएसपी वापस कार के पास पहुंचे तो वाहन वहीं खड़ा मिला। कार में मोबाइल, दस्तावेज और अन्य सामान सुरक्षित था, लेकिन सूटकेस खोलकर देखा तो उसमें रखे 5 लाख रुपए गायब थे।

डीएसपी का आरोप है कि नरेश और उसके साथियों ने मौका देखकर सूटकेस से नकदी निकाल ली। शिकायत के बाद पुलिस ने मामला दर्ज कर आरोपियों की तलाश शुरू कर दी है। सिविल लाइन थाना प्रभारी यमन देवांगन ने डीएसपी पुनदास अंचल की शिकायत पर एफआईआर दर्ज करने की पुष्टि की है। निरीक्षक के अनुसार मामलें में जांच की जा रही है और आरोपियों को जल्द गिरफ्तार कर लिया जाएगा।

नकली मंगलसूत्र को असली बताकर 40 हजार की ठगी

पुलिस ने 2 शातिर ठग को किया गिरफ्तार, रकम और बलेनो कार जब्त

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। पामगढ़ पुलिस ने ज्वेलरी दुकान संचालक से नकली मंगलसूत्र को असली सोना बताकर 40 हजार रुपये की ठगी करने वाले दो शातिर आरोपियों को चंद घंटों के भीतर गिरफ्तार कर लिया। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से ठगी की पूरी रकम 40 हजार रुपये नकद और वारदात में प्रयुक्त बलेनो कार जब्त कर ली है। दोनों आरोपियों को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है।

पुलिस के अनुसार, 26 जून को पामगढ़ निवासी हिमांशु सोनी ने थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई कि वह नगर पंचायत पामगढ़ में 'केसर लाल एंड संस' नाम से ज्वेलरी दुकान संचालित करता है। शाम करीब 4 से 5 बजे के बीच सफेद रंग की बलेनो कार से आए दो व्यक्तियों ने 50 हजार रुपये की आवश्यकता बताते हुए सोने का मंगलसूत्र गिरवी रखने की बात कही। आरोपियों ने खुद को विश्वसनीय बताने के लिए नकली बिल भी दिखाया। दुकानदार ने मंगलसूत्र को असली सोना समझकर 40 हजार रुपये दे दिए। आरोपियों के जाने के बाद जांच करने पर पता चला कि मंगलसूत्र सोने का नहीं बल्कि बेनटेक्स का है। ठगी का अहसास होते ही पीड़ित ने पामगढ़ थाने में शिकायत दर्ज कराई।

मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस अधीक्षक विजय कुमार पाण्डेय के निर्देशन में टीम गठित की गई। साइबर सेल की मदद से आरोपियों का सुराग मिला और बलौदा बाजार में दबिश देकर दोनों को गिरफ्तार कर लिया गया।

गिरफ्तार आरोपियों की पहचान अमन सोनी (22 वर्ष) निवासी वार्ड क्रमांक 9, बलौदा बाजार तथा अमित सोनी (42 वर्ष) निवासी वैष्णव कॉलोनी, बलौदा बाजार के रूप में हुई। पूछताछ में दोनों ने ठगी की वारदात स्वीकार कर ली। पुलिस ने उनके कब्जे से 40 हजार रुपये नकद एवं घटना में प्रयुक्त बलेनो कार क्रमांक सीजी-04 क्यूवाय-6279 जब्त कर भारतीय न्याय संहिता की धारा 318(4) के तहत कार्रवाई करते हुए न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया।

पिकअप से 4 गौवंश बरामद, 3 गिरफ्तार

जांजगीर-चांपा पुलिस की कार्रवाई, पशु तस्करी के आरोप में रिमांड पर जेल भेजा

श्रीकंचनपथ न्यूज

जांजगीर-चांपा। सारागांव पुलिस ने पशु तस्करी के खिलाफ कार्रवाई करते हुए चार बैलों को मुक्त कराया है। एक पिकअप वाहन में क्रूरतापूर्वक भरकर ले जाए जा रहे इन बैलों को जब्त किया गया, साथ ही तीन आरोपियों को भी गिरफ्तार किया गया है।

पुलिस के अनुसार, थाना प्रभारी निरीक्षक राकेश कुमार सूर्यवंशी के नेतृत्व में पुलिस टीम रात्रि गश्त पर थी। इसी दौरान मुखबिर से सूचना मिली कि बाराद्वार की ओर से सफेद रंग की पिकअप में मवेशियों की तस्करी की जा रही है।

पुलिस ने नाकेबंदी कर संदिग्ध वाहन को रोका

सूचना मिलते ही पुलिस ने राइस मिल के पास नाकेबंदी की और संदिग्ध वाहन को रोका। तलाशी लेने पर पिकअप में चार बैल क्रूरतापूर्वक ठूंसकर भरे हुए पाए गए। पुलिस ने तत्काल मवेशियों को सुरक्षित बाहर निकाला और वाहन को जब्त कर लिया।

तीनों आरोपी गिरफ्तार

पूछताछ में आरोपियों की पहचान नर्मदा पटेल (65), गंगाराम पटेल (42), दोनों निवासी सुलौनी, जिला सक्ती, और अभिषेक अग्रवाल (24) निवासी बाराद्वार, जिला सक्ती के रूप में हुई। तीनों आरोपियों को शुक्रवार (26 जून) को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से उन्हें न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया। उनके खिलाफ छत्तीसगढ़ कृषि पशु परिरक्षण अधिनियम 2004 के तहत कार्रवाई की गई है।

गांजा तस्करी के दो आरोपी गिरफ्तार हुए

भिलाई। पुलगांव पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गांजा तस्करी और बिक्री के मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार कर 2.992 किलोग्राम गांजा जब्त किया। पुलिस के अनुसार उटोपिया के सामने पोटिया रोड पर घेराबंदी कर एक संदिग्ध को पकड़ा गया, जिसने पूछताछ में अपना नाम ओमकार यादव बताया। तलाशी में उसके थैले से गांजा बरामद हुआ। आगे पूछताछ में उसने अपने साथी मोहन कुम्भार के साथ मिलकर गांजा मंगाकर बिक्री करना स्वीकार किया और बताया कि वे अटल आवास, बोरसी पानी टंकी के पास खड़ी एक खराब कार में पुड़िया तैयार करते थे। इसके बाद पुलिस ने दूसरे स्थान पर घेराबंदी कर मोहन कुम्भार को भी पकड़ा और उसके कब्जे से भी गांजा बरामद किया। पुलिस ने बताया कि गांजा के साथ 700 रुपये नगद सहित कुल जब्ती का मूल्य 1,50,200 रुपए आंका गया।

खास खबर

मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 से विद्यार्थियों पवन को मिला शिक्षा का अधिकार

रायपुर। मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 प्रदेशवासियों की समस्याओं के त्वरित, पारदर्शी एवं गुणवत्तापूर्ण समाधान का भरोसेमंद माध्यम बनकर उभरी है। हेल्पलाइन की प्रभावशीलता का एक प्रेरक उदाहरण रायगढ़ जिले के विकासखंड पुसौर में देखने को मिला। ग्राम खोखरा निवासी श्याम कुमार पटेल ने अपने पुत्र पवन के कक्षा 9वीं में प्रवेश नहीं होने संबंधी शिकायत मुख्यमंत्री हेल्पलाइन 1076 में दर्ज कराई। शिकायत प्राप्त होते ही विकासखंड शिक्षा अधिकारी भुवनेश्वर पटेल ने तत्काल शिकायतकर्ता से संपर्क किया और छात्र का प्रवेश शासकीय हाई स्कूल तेलीपाली में कराने के लिए निर्देश जारी कर दिए।

मुख्यमंत्री कल करेंगे भव्य रामगढ़ महोत्सव का शुभारंभ

रायपुर। सरगुजा अंचल की ऐतिहासिक, सांस्कृतिक एवं साहित्यिक विरासत के प्रतीक रामगढ़ में आषाढ़ के प्रथम दिवस के अवसर पर 29 एवं 30 जून को दो दिवसीय रामगढ़ महोत्सव-2026 का आयोजन किया जाएगा। जिला प्रशासन एवं संस्कृति विभाग के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित इस प्रतिष्ठित महोत्सव में प्रदेश की लोकसंस्कृति, साहित्य, इतिहास, पुरातत्व और पर्यटन की समृद्ध विरासत एक साथ देखने को मिलेगी। महोत्सव के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय होंगे। कार्यक्रम की अध्यक्षता पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री श्री राजेश अग्रवाल करेंगे। इस अवसर पर जनप्रतिनिधि, साहित्यकार, इतिहासकार, कलाकार, शोधकर्ता, पर्यटक तथा बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक उपस्थित रहेंगे।

बस्तर के कोचिंग सेंटरों का सघन निरीक्षण; अकेले फायर एक्सटिंग्युशर के भरोसे सुरक्षा, कुछ में तो यह भी नहीं

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर/जगदलपुर। जैसा सोचा था ठीक वैसा ही पाया। किराए की खोली-कमरे जैसे स्थानों पर चल रहे कोचिंग सेंटरों में अग्नि सुरक्षा के नाम पर सिर्फ फायर एक्सटिंग्युशर लटके मिले। इसे भी चलाने का सही प्रशिक्षण किसी को नहीं दिया गया था। हादसे की स्थिति में भागने या निकलने का अधिकांश स्थलों पर कोई दूसरा रास्ता नहीं था।

लखनऊ के कोचिंग सेंटर में आगजनी की घटना के बाद बस्तर जिले में भी कोचिंग सेंटर में पढ़ने वाले बच्चों के जिंदगी को देखते हुए निरीक्षण किया गया। जहां 2 स्कूलों के साथ ही 18 कोचिंग सेंटर का हाल काफी बुरा है।

इन कोचिंग सेंटर में निरीक्षण के दौरान सभी कोचिंग सेंटर में कमियां पाई गई सिर्फ फायर एक्सटिंग्युशर रखे हुए हैं। कई कोचिंग सेंटर में फायर एग्जिट एवं फायर एक्सटिंग्युशर भी नहीं है। अगर कोई घटना घटित होती है तो बचने का भी

कोई भी रास्ता नही है।

बता दे कि महानिदेशक एवं निदेशक अग्निशमन एवं आपातकालीन सेवा रायपुर के आदेश के अनुसार जिले में संचालित कोचिंग सेंटरों एवं स्कूलों की फायर सेफ्टी व्यवस्था की जांच के लिए विशेष अभियान चलाया गया। 18 कोचिंग सेंटर एवं 2 शैक्षणिक संस्थानों को दो दिन पूर्व नियमानुसार नोटिस जारी कर निरीक्षण की सूचना दी गई थी।

निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने मौके पर मौजूद कोचिंग संचालकों, कर्मचारियों एवं प्रबंधन को बुलाकर फायर सेफ्टी नियमों की जानकारी दी और लापरवाही पर कड़ी नाराजगी जताई। साथ ही सभी को तत्काल आवश्यक सुरक्षा उपकरण उपलब्ध कराने, फायर एग्जिट बनाने एवं संपूर्ण फायर सेफ्टी सिस्टम को जल्द से जल्द अपडेट करने के सख्त निर्देश दिए गए। अधिकारियों ने चेतावनी दी कि यदि निर्धारित समय के भीतर फायर सेफ्टी मानकों का पालन नहीं किया गया, तो संबंधित संस्थानों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी।

अंतागढ़ विकासखण्ड के किसकोड़ो में गृहमंत्री ने लगाई जन-चौपाल

जहां लगती थी दहशत की चौपाल, वहां तक जा पहुंचा सुशासन

श्रीकंचनपथ समाचार

कांकेर। कभी नक्सल संगठन का मजबूत गढ़ और बस्तर में नक्सलियों की मांद कहे जाने वाले उत्तर बस्तर कांकेर जिले के अंतागढ़ विकासखंड के ग्राम किसकोड़ो में शुक्रवार को ऐतिहासिक दृश्य देखने को मिला। जिस स्थान पर कभी नक्सलियों की चौपाल लगती थी, वहीं उप मुख्यमंत्री एवं गृहमंत्री विजय शर्मा ने देर शाम को ग्रामीणों के बीच जनचौपाल लगाकर उनकी समस्याएं सुनीं। वर्षों तक भय और हिंसा का दंश झेल रहा यह गांव अब लोकतंत्र, विकास और विश्वास की नई इबारत लिख रहा है।

गांव पहुंचने पर श्री शर्मा का ग्रामीणों ने आत्मीय स्वागत किया। उन्होंने ग्रामीणों के बीच जमीन पर बैठकर संवाद किया और एक-एक व्यक्ति की समस्याएं, मांग एवं सुझाव गंभीरता से सुनी। इस दौरान ग्राम किसकोड़ो सहित आसपास की आठ पंचायतों के सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित थे।

ग्रामीणों ने स्वास्थ्य सुविधाओं, विद्युत व्यवस्था, बंडापाल में सब-स्टेशन निर्माण, खाद भंडारण केंद्र, स्कूल की बाउंड्रीवाल तथा मातला मार्ग पर पाइप पुलिया निर्माण जैसी अनेक मांगें रखीं। उप मुख्यमंत्री ने अधिकारियों को आवश्यक कार्यवाही के निर्देश देते हुए अस्पताल तक मरीजों के आवागमन के लिए एम्बुलेंस उपलब्ध कराने तथा विद्युत व्यवस्था सुदृढ़ करने के निर्देश भी दिए।

उन्होंने कहा कि किसकोड़ो को आदर्श ग्राम के रूप में विकसित किया जाएगा और विकास कार्यों में किसी प्रकार की कमी नहीं रहने दी जाएगी। यहां पहुंचे ग्रामीणों में अपने क्षेत्र के विकास के लिए उत्साह देखकर उप मुख्यमंत्री ने कहा वर्षों तक डर के साए में रहने के बाद जल्द से जल्द विकास करने की जो ललक आज ग्रामीणों में दिख रही है वह अविश्वसनीय है।

उल्लेखनीय है कि अक्टूबर 2025 तक किसकोड़ो एरिया कमेटी नक्सली गतिविधियों का प्रमुख केंद्र थी, जिसे अब नक्सलवाद से मुक्त घोषित किया जा चुका है। हाल ही में गांव में पेयजल संकट दूर करने के लिए बोर खनन कराया गया है, जिससे ग्रामीणों को राहत मिली है। प्रवास के दौरान उप मुख्यमंत्री ने प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र किसकोड़ो का निरीक्षण भी किया।

जनचौपाल में ग्रामीणों ने भावुक होकर कहा कि पहले यहां नक्सलियों की चौपाल लगती थी, आज पहली बार शासन के उप मुख्यमंत्री की चौपाल लगी है। यह किसी सपने के सच होने जैसा है। उन्होंने बताया कि पहले शाम ढलते ही लोग घरों से बाहर निकलने से डरते थे। बच्चों को जबरन नक्सली संगठन में शामिल करने का प्रयास किया जाता था और सरकारी कर्मचारी भी यहां पदस्थापना होने के बावजूद कार्यभार ग्रहण करने से कतराते थे। आज वही गांव विकास, सुरक्षा और लोकतांत्रिक व्यवस्था पर विश्वास के साथ नई दिशा में आगे बढ़ रहा है।

उप मुख्यमंत्री ने ग्रामीणों से कहा कि कभी भय और बंदूक की पहचान रखने वाला किसकोड़ो अब विकास, विश्वास और लोकतंत्र का नया प्रतीक बनकर उभर रहा है। यहां गूंज रहे 'भारत माता की जय' के उद्घोष इस बदलते बस्तर की नई तस्वीर प्रस्तुत कर रहे हैं। उन्होंने ग्रामीणों को जैविक कृषि के लिए प्रेरित करते हुए कहा कि बेहतर प्रशिक्षण के साथ उनका सर्टिफिकेशन करने की भी आवश्यकता है, आसपास की सभी पंचायतों को मिलाकर ब्रांडिंग का कार्य किया जाए। उन्होंने लघु वनोपज प्रसंस्करण के लिए व्यवस्था निर्माण के भी निर्देश दिए।

इस अवसर पर कलेक्टर कांकेर निलेश कुमार महादेव क्षीरसागर, एएसपी आकाश श्रीश्रीमाल, जिला पंचायत सीईओ हरेश मंडावी, एडीएम एएस पैकरा, एसडीएम अंतागढ़ राहुल रजक सहित अन्य अधिकारीगण और बड़ी संख्या में ग्रामीण उपस्थित रहे।

नारायणपुर के कन्हारगांव में भी दी दस्तक

उप मुख्यमंत्री विजय शर्मा ने नारायणपुर जिले के सुदूर वनांचल में स्थित कन्हारगांव सेवा डेरा पहुंचकर ग्रामीणों के साथ जन चौपाल लगाई। उन्होंने कहा कि बस्तर में सुरक्षा व्यवस्था मजबूत होने के साथ अब सुरक्षा कैम्प जन सुविधा के केंद्र बन रहे हैं। जिन स्थानों पर पहले सुरक्षा कैम्प संचालित होते थे, उन्हें अब वीर शहीद गुंडाधुर सेवा डेरा के रूप में विकसित किया जा रहा है। कन्हारगांव स्थित आईटीबीपी कैम्प को भी सेवा डेरा के रूप में परिवर्तित किया गया है, जहां शिक्षा, स्वास्थ्य और जनकल्याण से जुड़ी सुविधाएं विकसित की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि इन सेवा डेरों में स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्र, अस्पताल तथा अन्य आवश्यक सेवाएं उपलब्ध कराई जाएंगी। कार्यक्रम में आसपास के 10 ग्रामों के सरपंचों एवं बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया। उप मुख्यमंत्री ने इन गांवों में विकास कार्यों के लिए 10-10 लाख रुपये की राशि देने की घोषणा की। उन्होंने स्व-सहायता समूहों की महिलाओं को लघु वनोपजों के प्रसंस्करण एवं मूल्य संवर्धन के माध्यम से आजीविका बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। उन्होंने कहा कि बस्तर के प्राकृतिक संसाधनों का लाभ स्थानीय लोगों को मिलना चाहिए।

अंबिकापुर में सुशासन तिहार को मिली शत प्रतिशत सफलता, शिविर में मिले 507 आवेदनों का निराकरण

ग्रामीण आजीविका को नई दिशा देने का बना प्रभावी अभियान

श्रीकंचनपथ समाचार

अंबिकापुर। सुशासन तिहार केवल शिकायतों के समाधान का मंच नहीं, बल्कि गया है। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में जिले में पशुधन विकास विभाग ने पशुपालन आधारित रोजगार एवं स्वरोजगार से जुड़ी ग्रामीणों की सभी मांगों का समयबद्ध निराकरण कर उन्हें आर्थिक रूप से सशक्त बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण पहल की है।

जिला प्रशासन अंबिकापुर द्वारा सुशासन तिहार के दौरान जिलेभर से प्राप्त 507 आवेदनों का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया गया। इनमें बकरी पालन, सूकर पालन, मुर्गी पालन, गाय पालन तथा अन्य पशुपालन गतिविधियों से संबंधित आवेदन शामिल रहे।

जिले के जनपद पंचायतवार प्राप्त आवेदनों में लखनपुर से सर्वाधिक 96 आवेदन, मैनपाट से 84, सीतापुर से 81, बतौली से 70, अम्बिकापुर से 67, उदयपुर से 66 तथा लुंड्रा से 43 आवेदन प्राप्त हुए। सभी जनपदों में प्राप्त प्रत्येक आवेदन का शत-प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित किया गया।

पशुधन विकास विभाग द्वारा हितग्राहियों को विभिन्न योजनाओं की जानकारी देने के साथ-साथ पशुपालन की आधुनिक तकनीकों, पशुओं के स्वास्थ्य प्रबंधन, टीकाकरण, संतुलित आहार एवं वैज्ञानिक पालन-पोषण संबंधी जानकारी भी उपलब्ध कराई जा रही है। विभाग का उद्देश्य केवल योजनाओं का लाभ प्रदान करना ही नहीं, बल्कि हितग्राहियों को सफल पशुपालक बनाना भी है।

पशुपालन ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने का एक महत्वपूर्ण आधार है। इसी दृष्टिकोण के साथ सुशासन तिहार के माध्यम से प्राप्त आवेदनों का त्वरित निराकरण कर ग्रामीणों को शासन की योजनाओं का लाभ समय पर उपलब्ध कराया गया है। इससे स्वरोजगार को बढ़ावा मिलने के साथ स्थानीय स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को भी नई गति मिली है।

जन्म-मृत्यु पंजीकरण में अपील की सुविधा, नागरिकों को मिली राहत

रायपुर। जिला योजना एवं सांख्यिकी कार्यालय जशपुर द्वारा जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण से जुड़े मामलों में आम नागरिकों के लिए महत्वपूर्ण सूचना जारी की गई है। जानकारी के अनुसार यदि किसी व्यक्ति को जन्म-मृत्यु पंजीकरण प्रकरण में संबंधित रजिस्ट्रार द्वारा पारित आदेश से असंतोष है, तो वह नियमानुसार जिला रजिस्ट्रार के समक्ष अपील प्रस्तुत कर सकता है। इसी तरह जिला रजिस्ट्रार के आदेश से असंतुष्ट होने पर व्यक्ति को मुख्य रजिस्ट्रार, छत्तीसगढ़ तथा संचालक, आर्थिक एवं सांख्यिकी संचालनालय, रायपुर के समक्ष अपील करने का अधिकार होगा। यह व्यवस्था जन्म एवं मृत्यु पंजीकरण संबंधी प्रावधानों के अंतर्गत उपलब्ध है। कार्यालय ने बताया कि अपील प्रस्तुत करते समय संबंधित आदेश की प्रति, आवश्यक अभिलेख तथा अपना पक्ष स्पष्ट रूप से संलग्न करना अनिवार्य होगा, जिससे प्रकरण का परीक्षण कर नियमानुसार निर्णय लिया जा सके।

मानसून सीजन में बढ़ा गलघोंटू का खतरा पशुपालकों से शीघ्र टीकाकरण की अपील

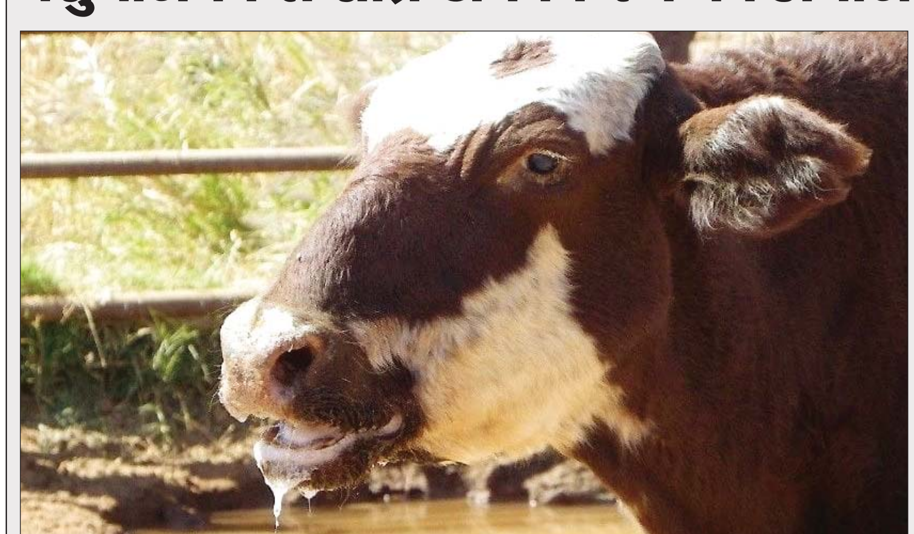

श्रीकंचनपथ समाचार

रायपुर। मानसून के आगमन के साथ पशुओं में फैलने वाली खतरनाक जीवाणुजनित बीमारी गलघोंटू (एचएस/बघर्रा) का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए पशुधन विकास विभाग ने राज्य के सभी पशुपालकों से सतर्क रहने तथा अपने पशुओं का समय पर टीकाकरण कराने की अपील की है। विभाग ने कहा है कि समय पर टीकाकरण और त्वरित उपचार से इस बीमारी पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है।

पशुधन विकास विभाग के अधिकारियों ने बताया कि गलघोंटू रोग मुख्य रूप से गाय, भैंस और भेड़ को प्रभावित करता है। संक्रमण होने पर पशुओं में तेज बुखार, गले एवं जबड़े के नीचे सूजन, मुंह से अत्यधिक लार निकलना, नाक से स्राव, सांस लेने में कठिनाई तथा गले से घरघराहट की आवाज जैसे लक्षण दिखाई देते हैं। कई मामलों में पशु चारा खाना बंद कर देते हैं, दुग्ध उत्पादन प्रभावित होता है और गंभीर स्थिति में उनकी मृत्यु भी हो सकती है।

क्या है जानलेवा गलघोंटू

गलघोंटू मुख्य रूप से गाय और भैंस में होने वाली एक घातक और संक्रामक जीवाणु जनित बीमारी है? यह मानसून के मौसम में तेजी से फैलती है और इसमें पशुओं की मृत्यु दर बहुत अधिक (80 प्रतिशत से अधिक) होती है? यह बीमारी पास्चुरेला मल्टीसिडा नामक बैक्टीरिया (जीवाणु) के कारण होती है? बीमारी में पशु को अचानक तेज बुखार (105 से 107 डिग्री) हो जाता है? गले, गर्दन और छाती में सूजन आ जाती है, जिससे सांस लेने में 'घर्र-घर्र' की आवाज आती है? मुंह से लगातार बहुत अधिक लार (फेनदार) बहती है? पशु खाना और जुगाली करना बंद कर देता है

पशु चिकित्सा विभाग ने पशुपालकों से कहा है कि ऐसे लक्षण दिखाई देने पर पशुओं को अन्य पशुओं से अलग रखें, प्राथमिक उपचार प्रारंभ करें तथा तत्काल निकटतम पशु चिकित्सालय या पशु चिकित्सा अधिकारी से संपर्क करें। साथ ही किसी क्षेत्र में बड़ी संख्या में पशुओं में बीमारी के लक्षण मिलने पर इसकी सूचना तत्काल विभाग को देने की अपील की गई है।

अधिकारियों ने बताया कि मानसून के दौरान पशुधन को सुरक्षित रखने के लिए समय पर टीकाकरण, नियमित स्वास्थ्य जांच और शीघ्र उपचार ही सबसे प्रभावी उपाय हैं। इसके लिए राज्यभर में आवश्यक सतर्कता एवं निगरानी बनाए रखने के निर्देश भी दिए गए हैं।

कुपोषण मुक्त छत्तीसगढ़ की दिशा में सशक्त पहल

बाल विकास मंत्री राजवाड़े को बच्चों ने सुनाई कविता

श्रीकंचनपथ समाचार

बीजापुर। महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े ने अपने दो दिवसीय बीजापुर प्रवास के दौरान जिला अस्पताल स्थित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) एवं तहसीलपारा आंगनबाड़ी केंद्र का निरीक्षण कर कुपोषण उन्मूलन, मातृ-शिशु स्वास्थ्य एवं पोषण जागरूकता के लिए किए जा रहे प्रयासों का जायजा लिया।

इस दौरान उन्होंने बच्चों, गर्भवती महिलाओं एवं माताओं को राज्य सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी दी तथा अधिकारियों को सेवाओं की गुणवत्ता और प्रभावशीलता बढ़ाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने जिला अस्पताल में संचालित पोषण पुनर्वास केंद्र (एनआरसी) का निरीक्षण कर उपचाररत बच्चों एवं उनकी माताओं से मुलाकात की। केंद्र में भर्ती 14 बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जानकारी लेते हुए उन्होंने चिकित्सकों एवं अधिकारियों को प्रत्येक बच्चे की नियमित निगरानी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने कहा कि कुपोषण के खिलाफ लड़ाई केवल स्वास्थ्य का विषय नहीं, बल्कि भावी पीढ़ी के सशक्त निर्माण का संकल्प है। निरीक्षण के दौरान श्रीमती राजवाड़े ने माताओं को प्रधानमंत्री मातृत्व वंदना योजना सहित विभिन्न मातृ एवं शिशु कल्याण योजनाओं की जानकारी दी तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ लेने के लिए प्रेरित किया।

बच्चों के बीच पहुंचकर उन्होंने चॉकलेट वितरित की, उनसे संवाद किया और उनके साथ समय बिताया। मंत्री श्रीमती राजवाड़े के स्नेहपूर्ण व्यवहार ने उपस्थित माताओं एवं कर्मचारियों को भावुक कर दिया और केंद्र का वातावरण आत्मीयता से भर उठा।

तहसीलपारा स्थित आंगनबाड़ी केंद्र पहुंचने पर नन्हे बच्चों ने गुलाब का फूल भेंट कर श्रीमती राजवाड़े का स्वागत किया। बच्चों ने कविता प्रस्तुत कर अपनी प्रतिभा का परिचय दिया, जिससे मंत्री अत्यंत प्रसन्न हुईं। उन्होंने बच्चों के साथ गीत गाया और उन्हें नियमित अध्ययन, आंगनबाड़ी उपस्थिति तथा पौष्टिक भोजन ग्रहण करने के लिए प्रेरित किया।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने गर्भवती महिलाओं को मुनगा (सहजन) के पौधे वितरित करते हुए इसके पोषण एवं औषधीय महत्व की जानकारी दी। मुनगा आयरन, कैल्शियम, विटामिन एवं अन्य आवश्यक पोषक तत्वों का उत्कृष्ट स्रोत है, जो महिलाओं और बच्चों के स्वास्थ्य संवर्धन में अत्यंत उपयोगी है।

उन्होंने महिलाओं से अपने घरों में मुनगा का पौधा लगाने और इसके नियमित सेवन को दैनिक जीवन का हिस्सा बनाने का आग्रह किया। मंत्री ने आंगनबाड़ी परिसर में मुनगा का पौधा लगा कर पोषण संवर्धन और पर्यावरण संरक्षण का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि प्रत्येक आंगनबाड़ी केंद्र और प्रत्येक घर में मुनगा का पौधा लगाकर कुपोषण को दूर करें।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950